■ वैशाख कृष्ण - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 263 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 23-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 दुबे ने न्यायाधीश की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा

6 विदेशों में हिन्दू धार्मिक स्थलों पर नहीं थम रहे हमले

7 अमिताभ बच्चन ने शेयर किया मंत्र बताया- 'यह सभी बीमारियों का इलाज'

फर्स्ट टेक

ट्रंप ने कश्मीर में हमले पर शोक जताया

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले पर मंगलवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों को ''हमारा पूरा समर्थन'' है। ट्रंप ने ''ट्रुथ सोशल'' पर एक पोस्ट में कहा, ''कश्मीर से बहुत परेशान करने वाली खबर आई है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका मजबूती से खड़ा है। हम मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के ठीक होने की प्रार्थना करते हैं।

कर भुगतान को सरल बनाएगी आयकर विभाग की 'ई-पे टैक्स' व्यवस्था

नयी दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि उसने करदाताओं के लिए करों का भुगतान सरल बनाने को लेकर अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर 'ई-पे टैक्स' सुविधा शुरू की है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बयान में कहा, ''ई-पे टैक्स सुविधा करदाताओं के कर दायित्वों को पूरा करने का एक बेहतर, कुशल और सुगम तरीका है।'' बयान के अनुसार, बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरने की प्रक्रिया और अंतिम समय में कर भुगतान की चिंता अब बीते दिनों की बात है। सरल और अधिक सुलभ भुगतान विधियों की जरूरत को समझते हुए और करदाताओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर 'ई-पे टैक्स' सुविधा शुरू की है।

सौतेले दादा ने 5,000 रुपए में बेची मासूम बच्ची, पुलिस ने बचाया

गुवाहाटी/भाषा। असम में सौतेले दादा द्वारा करीब 11 महीने पहले बेच दी गई एक साल की बच्ची को पुलिस ने बचा लिया है और इस मामले में कथित संलिप्तता के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गुवाहाटी पुलिस के उपायुक्त (पूर्व) मृणाल डेका ने संवाददाताओं को बताया कि नाबालिग को 5,000 रुपये में बेचने और खरीदने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और बच्ची को सुरक्षित बचा लिया गया है। उन्होंने बताया, ''यहां खेल गांव के पास एक इलाके में रहने वाली बच्ची की मां से कल एक शिकायत मिली थी, जिसमें कहा गया था कि पिछले साल 30 मई को बच्ची का सौतेला दादा उसके पति की अनुपस्थिति में बच्ची का इलाज कराने के बहाने उसे ले गया था।''

23-04-2025 सूर्यास्त 6:22 बजे | 24-04-2025 सूर्योदय 6:51 बजे

BSE	NSE
79,595.59 (+187.09)	24,167.25 (+41.70)

सोना	चांदी
101,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कड़ी निंदा

आतंकी हमले पर नेता,
करते बहुत कड़ी निंदा।
फर्क नहीं पड़ता पर इससे,
जब तक आतंकी जिन्दा।
दर्द खून दहशत में जीता,
घाटी का हर वाशिंदा।
सुन-सुन कर थोथे बयान,
सारा अवाम है शर्मिंदा।।

पहलगाम में आतंकी हमला

कश्मीर के पहलगाम में 'मिनी स्विटजरलैंड' पर हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत, अधिकांश पर्यटक

आतंकवादियों ने पीड़ितों का नाम और धर्म पूछकर मारी गोली

पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पहलगाम (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है।

एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि 26 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय निवासी हैं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले को हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा हमला बताया।

अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस भारत की यात्रा पर हैं और पर्यटन तथा 'ट्रैकिंग' का सीजन जोर पकड़ रहा है। हमला अपराह्न करीब तीन बजे हुआ।

पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है।

अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी 'मिनी स्विट्जरलैंड' में घुस आए और भोजनालयों के आसपास घूम रहे, खच्चर की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। कश्मीर घाटी में हुए इस हमले में कम से कम 20 लोग घायल हो गए।

पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

अधिकारियों ने कहा कि यह संभव है कि आतंकवादी समूह जम्मू के किश्तवाड़ से दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग के रास्ते बैसरन तक पहुंचा हो।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सऊदी अरब की यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्थिति की जानकारी दी और बताया कि वह सभी एजेंसियों के साथ तत्काल सुरक्षा समीक्षा बैठक के लिए शाम को श्रीनगर पहुंचे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि शाह के बुधवार को पहलगाम जाने की संभावना है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमले के बाद मदद के लिए चीख-पुकार मच गई, जबकि शव खून से लथपथ पड़े थे। कुछ लोगों का कहना है कि हमलावरों की संख्या पांच थी।

हमले के समय घटनास्थल पर मौजूद एक महिला ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, मेरे पति के सिर में गोली लगी, जबकि सात अन्य लोग भी हमले में घायल हुए हैं। महिला ने अपनी पहचान नहीं बताई, लेकिन घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की गुहार लगाई।

एक अन्य महिला पर्यटक ने बताया कि जैसे ही गोलियां चलीं, वहां अफरातफरी मच गई और पर्यटक छिपने के लिए भागे, लेकिन खुले स्थान पर छिपने के लिए कोई जगह नहीं थी।

एक महिला ने बताया कि आतंकवादियों ने गोली मारने से पहले पीड़ितों का नाम पूछा।

बैसरन में एकत्र हुए पर्यटक कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात समेत कई राज्यों से थे। मारे गए लोगों में कर्नाटक के व्यापारी मंजूनाथ राव भी शामिल हैं, जो शिवमोगा के रहने वाले थे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने उनकी मौत पर शोक जताया और अधिकारियों की बैठक बुलाई। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कर्नाटक से अधिकारियों की एक टीम कश्मीर के लिए रवाना हो गई है।

आतंकी हमले के पीड़ित की बेटी ने आपबीती सुनाई

मेरे पिता से कुरान की आयत पढ़ने के लिए कहा, फिर गोलियां बरसा दीं

मुंबई/भाषा। कश्मीर के पहलगाम शहर के पास हुए आतंकवादी हमले में दिल को झकझोर देने वाले दृश्य सामने आ रहे हैं। लोकप्रिय बैसरन में जब आतंकवादियों ने धावा बोला तो लोग डर के मारे तंबू के अंदर छिप गया। आतंकवादियों ने 54 वर्षीय संतोष जगदाले को तंबू से बाहर आने और इस्लाम की एक आयत पढ़ने के लिए कहा। जब वह आयत नहीं पढ़ पाए तो आतंकवादियो ने जगदाले को गोलियों से छलनी कर दिया। उन्होंने जगदाले पर तीन बार गोली मारी, एक बार उनके सिर में, फिर कान के पीछे और फिर पीठ में गोली मारी। संतोष जगदाले पुणे के एक व्यवसायी थे। उनकी 26 वर्षीय बेटी असावरी जगदाले ने 'पीटीआई-भाषा' को आपबीती सुनाई। जगदाले की बेटी ने कहा, ''पिता के जमीन पर गिर जाने के बाद, बंदूकधारियों ने मेरे बगल में चाचा पर हमला किया और उनकी पीठ में कई गोलियां बरसाईं।''

असावरी जगदाले ने इस हमले के पांच घंटे बाद 'पीटीआई-भाषा' को टेलीफोन पर बताया, ''हम पांच लोगों का समूह थे, जिसमें मेरे माता-पिता भी शामिल थे। जब गोलीबारी शुरू हुई तब हम पहलगाम के पास बैसरन घाटी एवं मिनी स्विटजरलैंड नामक जगह पर थे।''

असावरी को नहीं पता कि उनके पिता और चाचा जिंदा हैं भी या उनकी मौत हो चुकी है। असावरी, उनकी मां और एक अन्य महिला रिश्तेदार किसी तरह बच गईं तथा स्थानीय लोगों और सुरक्षाबलों ने उन्हें पहलगाम क्लब पहुंचाया।

...बख्शा नहीं जाएगा : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायल लोगों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा, इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा...उन्हें बख्शा नहीं जाएगा! उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

'आतंकवाद को लेकर ठोस कदम उठाए'

नयी दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है, और सरकार को इस केंद्रशासित प्रदेश में हालात सामान्य होने के खोखले दावे करने के बजाय ठोस कदम उठाने चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इस ''कायराना आतंकी हमले'' में पर्यटकों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की ख़बर बेहद निंदनीय और दिल दहलाने वाली है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''आतंक के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। सरकार जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य होने के खोखले दावों के बजाय अब जवाबदेही लेते हुए ठोस कदम उठाए -ताकि आगे ऐसी बर्बर घटनाएं न होने पाएं और निर्दोष भारतीय यूं अपनी जान न गंवाएं।''

आतंकी हमले से 'बहुत दुखी': इजराइल

यरुशलम/भाषा। इजराइल ने मंगलवार को कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से ''बहुत दुखी'' है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सा'र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले से बहुत दुख हुआ है। हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजराइल भारत के साथ एकजुट है।''

यात्रा बीच में छोड़ स्वदेश लौट रहे मोदी

जेद्दा/दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को सऊदी अरब की अपनी दो दिवसीय यात्रा को बीच में ही समाप्त करके स्वदेश लौटने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब द्वारा आयोजित आधिकारिक रात्रिभोज में भाग नहीं लिया और अपनी यात्रा को बीच में ही समाप्त करके देश लौटने का फैसला किया है।

उपेक्षा से संगठन अपना चरित्र और दिशा खो देते हैं : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी संगठन की उपेक्षा की जाती है तो उसके अपना चरित्र और दिशा बदल लेने की आशंका बढ़ जाती है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नये कार्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि जब कोई संगठन छोटा होता है तो वह सीमित संसाधनों के साथ अपना काम करता है।

उन्होंने कहा, ''जब कोई संगठन विकास करता है, तो अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। जब वह राष्ट्र के जीवन में स्थान प्राप्त करता है, तो उसे विभिन्न प्रकार के संसाधनों की आवश्यकता होती है। प्रत्येक संगठन की अपनी आत्मा और शरीर होता है।''

भागवत ने यह बात सभा को संबोधित करते हुए कही, जिसमें वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता भी शामिल थे। भागवत ने कहा, ''यदि किसी संगठन का बाहरी स्वरूप खराब है, तो उसकी उपेक्षा की जाती है। यदि वह समृद्ध है, तो उससे ईर्ष्या होती है। कई बार, यदि संगठन की उपेक्षा की जाती है, तो उसका चरित्र और दिशा भी बदल जाती है।''

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख भागवत ने कहा कि किसी संगठन को अत्यधिक दिखावटी नहीं होना चाहिए और न ही उसे अपना कार्य करने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कार्यकर्ताओं को एक संतुलित, मध्यम मार्ग अपनाना होगा और ऐसी सोच जागरूक, समर्पित कार्यकर्ताओं से आती है।''

आरएसएस प्रमुख भागवत ने एकता का संदेश देते हुए कहा कि दुनिया मार्गदर्शन के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश का भाग्य बदल रहा है। पूरी दुनिया मार्गदर्शन के लिए भारत की ओर देख रही है। पूरी दुनिया के सामने सही आदर्श प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य है। हमें ज्ञान प्राप्त है और हमें एकता की भावना के साथ दृष्टिकोण अपनाना होगा।''

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी, अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की पुलिस ने ब्राह्मण समाज के खिलाफ कथित तौर पर अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोप में फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक लाल उम्मेद सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और छत्तीसगढ़ प्रभारी पंडित नीलकंठ त्रिपाठी तथा अन्य की शिकायत पर शहर के कोतवाली थाना की पुलिस ने फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सिंह ने बताया कि ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी सोमवार देर रात कोतवाली थाना पहुंचे थे तथा उन्होंने अनुराग कश्यप के कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर पुलिस में शिकायत की थी जिसके बाद पुलिस ने कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ब्राह्मण समाज ने अपनी शिकायत में कहा है, ''हाल ही में फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर ब्राह्मण समाज के खिलाफ जातिगत टिप्पणी की है, जो अत्यंत अपमानजनक और दुर्भावनापूर्ण है।

संवैधानिक पदाधिकारी का हर शब्द राष्ट्रीय हित से प्रेरित : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संवैधानिक प्राधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रहित से प्रेरित होता है। उन्होंने हाल में उच्चतम न्यायालय के आदेश को लेकर की गई अपनी टिप्पणी पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर निशाना साधा।

धनखड़ ने यह भी कहा कि देश के खिलाफ काम करने वाली ताकतों द्वारा संस्थाओं की आलोचना करने तथा उन्हें बर्बाद करने के प्रयासों को खत्म किया जाना चाहिए।

संसद को सर्वोच्च बताते हुए धनखड़ ने कहा, ''संविधान में संसद से ऊपर किसी प्राधिकार की कल्पना नहीं की गई है। संसद सर्वोच्च है... मैं आपको बता दूं कि यह उतना ही सर्वोच्च है जितना कि देश का प्रत्येक व्यक्ति।''

शीर्ष अदालत की एक पीठ ने हाल में राज्यपालों द्वारा रोक कर रखे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति की मंजूरी के वास्ते उन पर फैसला लेने के लिए तीन महीने की समयसीमा तय की थी।

न्यायालय के इस निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए धनखड़ ने कहा था कि न्यायपालिका ''सुपर संसद'' की भूमिका नहीं निभा सकती और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में नहीं आ सकती।

दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च हित से प्रेरित होता है। उन्होंने कहा, ''मुझे यह बात समझ में आती है कि कुछ लोगों ने हाल में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक और रस्मी हो सकते हैं। इस देश में हर किसी की भूमिका - चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक - के बारे में गलत समझ से बढ़कर कोई भूल नहीं हो सकती।''

उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की अपनी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र की आत्मा प्रत्येक नागरिक में बसती है और धड़कती है। लोकतंत्र फूलेगा-फलेगा। इसके मूल्य और ऊंचे उठेंगे। जब नागरिक सतर्क होगा तो नागरिक योगदान देगा और नागरिक जो योगदान देता है, उसका कोई विकल्प नहीं हो सकता।''

रामदेव की 'शरबत जिहाद' टिप्पणी ने अंतरात्मा को झकझोर दिया : दिल्ली उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि हमदर्द के 'रूह अफ़ज़ा' पर योग गुरु रामदेव की ''शरबत जिहाद'' संबंधी कथित टिप्पणी ने ''अंतरात्मा को झकझोर दिया'' और यह बचाव किये जाने योग्य नहीं है। इस पर, योग गुरु ने आश्वासन दिया कि वह संबंधित ऑनलाइन सामग्री को तुरंत हटा लेंगे।

न्यायमूर्ति अमित बंसल ने रामदेव की पतंजलि फूड्स लिमिटेड के खिलाफ हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, ''इसने अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। यह बचाव किये जाने योग्य नहीं है। आप (रामदेव के वकील) अपने मुवक्किल से निर्देश लें, अन्यथा कड़ा आदेश दिया जाएगा।'' अदालत की चेतावनी के बाद, रामदेव के वकील ने कहा कि विवादास्पद टिप्पणियों पर सोशल मीडिया पोस्ट को छोड़कर सभी विज्ञापन -- प्रिंट या वीडियो -- तुरंत हटा लिए जाएंगे। उच्च न्यायालय ने वकील को रामदेव की ओर से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा, ''जब मैंने यह (वीडियो) देखा तो मुझे अपनी आंखों पर जरा भी विश्वास नहीं हुआ।''

आदेश में कहा गया है, ''प्रतिवादी संख्या 2 (रामदेव) द्वारा एक हलफनामा भी रिकॉर्ड पर रखा जाए, जिसमें कहा गया हो कि वह वचन देते हैं कि भविष्य में प्रतिस्पर्धियों के उत्पादों के बारे में ऐसा कोई बयान, विज्ञापन या ट्वीट या सोशल मीडिया पोस्ट जारी नहीं करेंगे।'' अदालत में 'हमदर्द' का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि हाल में पतंजलि के ''गुलाब शरबत'' का प्रचार करते हुए रामदेव ने दावा किया था कि हमदर्द के रूह अफ़ज़ा से अर्जित धन का इस्तेमाल मदरसों और मस्जिदों के निर्माण के लिए किया गया। रामदेव ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने किसी ब्रांड या समुदाय का नाम नहीं लिया।

चंद्रबाबू नायडू ने शाह एवं अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की, पोलावरम परियोजना पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को यहां अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक की और पोलावरम परियोजना एवं कुरनूल में उच्च न्यायालय की पीठ की स्थापना पर चर्चा की।

यूरोप में छुट्टी मनाने के बाद सोमवार देर रात दिल्ली पहुंचे नायडू ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से अलग-अलग मुलाकात की।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने पोलावरम परियोजना से संबंधित तकनीकी मुद्दों पर चर्चा की, जिस पर निर्माण कार्य अब भी जोर-शोर से जारी है।

मेघवाल के साथ अपनी बैठक के दौरान तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो ने लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए कुरनूल में उच्च न्यायालय की एक अलग स्थायी पीठ की स्थापना पर जोर दिया। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति पर भी चर्चा हुई।

तेदेपा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में एक प्रमुख सहयोगी है।

ये बैठकें ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही हैं जब नायडू का लक्ष्य ताड़ेपल्ली, गुंटूर, मंगलगिरि और विजयवाड़ा को मिलाकर अमरावती का विस्तार कर आंध्र प्रदेश में एक 'मेगा सिटी' का निर्माण करना है।

सूत्रों ने संकेत दिया कि मुख्यमंत्री अमरावती में 'अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' बनाने के लिए 30,000 एकड़ जमीन जुटाने पर भी विचार कर रहे हैं।

यूरोप में अपने परिवार के साथ अपना 75वां जन्मदिन मनाने के बाद मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में ये बैठकें कीं।

महाराष्ट्र में कक्षा एक से पांच तक के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने पर रोक

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने के अपने आदेश पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में एक नया सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया जाएगा।

यह कदम महाराष्ट्र सरकार की भाषा परामर्श समिति द्वारा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से निर्णय को वापस लेने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के सरकारी स्कूलों में पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने को लेकर पिछले सप्ताह सरकार द्वारा लिये गए निर्णय का विपक्षी दलों सहित विभिन्न हलकों में कड़ा विरोध देखा जा रहा है।

आदेश के बावजूद सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा न दिया जाना 'तकलीफदेह' : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मोटर दुर्घटना दावा (एमएसी) न्यायाधिकरणों के आदेश के बावजूद सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा नहीं दिये जाने को तकलीफदेह करार दिया है।

न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मंगलवार को कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत दावा याचिका दायर करते समय घायलों या क्षतिग्रस्त संपत्ति के मालिकों के नाम और पते, उनके आधार और पैन विवरण और ईमेल आईडी प्रस्तुत किए जाने चाहिए। पीठ ने कहा, ''यदि उपरोक्त विवरण प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं, तो उस आधार पर आवेदन के पंजीकरण को अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन नोटिस जारी करते समय एमएसीटी याचिकाकर्ताओं को संबंधित जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दे सकते हैं और नोटिस जारी किये जाने को लेकर इसके अनुपालन की शर्त रख सकते हैं।''

पीठ ने कहा कि मुआवज़ा के अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करते हुए एमएसीटी को मुआवजा पाने के हकदार लोगों को अपने बैंक खाते का विवरण प्रस्तुत करने का आदेश देना चाहिए, साथ ही बैंकर का प्रमाणपत्र जिसमें आईएफएस कोड सहित सभी विवरण प्रस्तुत किए गए हों, या रद्द किए गए चेक की एक प्रति भी प्रस्तुत करनी चाहिए। इसने कहा कि दावाकर्ताओं को निर्दिष्ट उचित समय के भीतर दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे। शीर्ष अदालत का यह आदेश एमएसीटी और श्रम न्यायालयों में जमा राशि को स्वत: संज्ञान लेकर शुरू की गयी सुनवाई पर आया है।

भतीजे अजित के साथ मुलाकात पर पवार ने कहा- 'लोगों के मुद्दों पर चर्चा करने में कुछ भी गलत नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्रपवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ हाल में हुई मुलाकात के बाद दोनों दलों के फिर से एक साथ होने संबंधी अटकलों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि लोगों से संबंधित मुद्दों पर राज्य सरकार के प्रतिनिधियों से बात करने में कुछ भी गलत नहीं है।

पवार ने बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र में व्याप्त जल संकट पर चिंता जताई और अगले कुछ महीनों में पानी का सही तरीके से इस्तेमाल किए जाने की सलाह दी। पवार ने एक पखवाड़े में उपमुख्यमंत्री से तीन बार मुलाकात की है। पुणे में कृषि और चीनी उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग पर चर्चा करने के वास्ते दोनों नेताओं द्वारा एक मंच साझा किए जाने के बाद राजनीतिक हलकों में दोनों दलों (राकांपा-राकांपा (एसपी)) के फिर से एक साथ आने की अटकलें तेज हो गईं।

शरद पवार ने कहा कि पुणे में सोमवार को हुई बैठक में चीनी उत्पादन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा, ''हम पिछले कई सालों से गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। अकेले काम करना संभव नहीं है क्योंकि सरकार की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर राज्य सरकार के प्रतिनिधियों से बात करने में कोई बुराई नहीं है।'' पवार ने चचेरे भाईयों शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे के बीच सुलह होने संबंधी अटकलों पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह उनका पारिवारिक मामला है और उन्हें (पवार) इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार और पोते युगेंद्र पवार के साथ बारामती के एक शैक्षणिक संस्थान विद्या प्रतिष्ठान में आयोजित एक बैठक में शामिल हुए थे। युगेंद्र अपने जन्मदिन के अवसर पर सुनेत्रा पवार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेते हुए नजर आए। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो युगेंद्र ने कहा, ''राजनीतिक मतभेद होने के बावजूद मेरे चाचा (अजित पवार) और चाची के प्रति मेरा स्नेह और सम्मान बदला नहीं है।'' शरद पवार और अजित पवार के बीच संबंध तब खराब हो गए जब जुलाई 2023 में अजित पवार ने राकांपा को विभाजित करते हुए महायुति सरकार में शामिल हो गए थे। राकांपा के कई विधायक अजित पवार के खेमे में शामिल हो गए थे।

कृषि वृद्धि दर बढ़ने से गांव के युवाओं का पलायन रोका जा सकेगा : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ग्रामीण युवाओं के शहरों की ओर पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण भारत में कृषि की वृद्धि दर और क्रय शक्ति बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते गडकरी ने कहा कि वर्तमान में कृषि फसलों के लिए सरकार का न्यूनतम समर्थन मूल्य वाणिज्यिक बाजार की कीमतों से कहीं अधिक है।

उन्होंने कहा, ''कृषि की वृद्धि दर बढ़ने पर ग्रामीण युवाओं को आजीविका के लिए दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा।'' उनके अनुसार, कृषि की वृद्धि दर बढ़ने से ग्रामीण आबादी की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। गडकरी ने देश में बांस संसाधनों के अधिक गहन उपयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि बांस रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है और ग्रामीण विकास में योगदान दे सकता है। ऊर्जा क्षेत्र में बांस के उपयोग से भारत को जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने में मदद मिलेगी। गडकरी ने कहा कि बांस में कोयले के विकल्प के रूप में इस्तेमाल की क्षमता है और उपयोग निर्माण कार्य में भी किया जा सकता है। बांस का उपयोग जैव-सीएनजी व चारकोल बनाने के लिए भी किया जा सकता है और बांस मिशन से विशेष अनुदान की मदद से आगे अनुसंधान करने के लिए आईआईटी को शामिल किया जा सकता है।

बेहतर मानसून के अनुमान से खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मिलेगी मदद: आरबीआई बुलेटिन

मुंबई/भाषा। इस साल मानसून के सामान्य से बेहतर रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की स्थिति बेहतर रहने की उम्मीद है। इससे कृषि आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मदद मिल सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अप्रैल के बुलेटिन में यह कहा गया है।

बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उपभोग और निवेश जैसे वृद्धि के घरेलू इंजन मजबूत बने हुए हैं और ये बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं।

इसमें कहा गया है, ''सूझबूझ के साथ नीति समर्थन भारत को वैश्विक अस्थिरता को अवसर में बदलने और उभरते विश्व आर्थिक परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है।''

इसमें यह भी कहा गया है कि व्यापार और शुल्क दबाव में वृद्धि और परिणामस्वरूप वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने निकट भविष्य में वैश्विक वृद्धि के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

राजमार्ग बंद होने से कश्मीर में किसी भी चीज की आपूर्ति में कोई कमी नहीं: उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामबन/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के लगातार तीसरे दिन भी बारिश और भूस्खलन के कारण बंद होने के बावजूद कश्मीर घाटी में किसी भी चीज की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है।

भारी बारिश और बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण रविवार को राजमार्ग कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गया। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क साफ करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है और अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि वे अगले 24 घंटों के भीतर राजमार्ग को एकल लेन वाले यातायात के लिए खोलने का प्रयास कर रहे हैं।

अब्दुल्ला ने यहां उपायुक्त कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, कश्मीर में किसी भी चीज की कोई कमी नहीं है... हमारे पास अगले तीन से चार दिनों के लिए सब कुछ है। मुख्यमंत्री ने जमीनी स्थिति का आकलन करने और प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए दूसरे दिन भी पहाड़ी जिले के बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। हमें यह ध्यान में रखना होगा कि यहां अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं और इसलिए मैं नहीं चाहता कि लोग (कश्मीर में) पेट्रोल पंप के बाहर कतारों में लगें। यही कारण है कि मैंने संबंधित विभाग से मुगल रोड के जरिए कश्मीर में कुछ ईंधन टैंकर भेजने को कहा है ताकि लोगों को यह संदेश दिया जा सके कि हमारे पास आवश्यक चीजें पहुंचाने के साधन हैं। जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से यह पूछा गया कि राजमार्ग बंद होने के बाद कश्मीर आने-जाने वाले हवाई किरायों में भारी बढ़ोतरी के मुद्दे को क्या वह उठाएंगे, तो उन्होंने कहा कि अभी तक उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा, हम सड़कें ठीक करेंगे और लोगों तक राहत एवं आवश्यक चीजें पहुंचाएंगे। इसके बाद हम हवाई किराए के मुद्दे पर ध्यान देना शुरू करेंगे।

तंबाकू किसानों का पंजीकरण प्रमाणपत्र अब तीन साल के लिए वैध होगा

नई दिल्ली/भाषा। तंबाकू उत्पादकों को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने मंगलवार को कहा कि तंबाकू किसानों का पंजीकरण प्रमाणपत्र या लाइसेंस अब एक साल के बजाय तीन साल के लिए वैध होगा। लाइसेंस अवधि को एक से तीन साल तक बढ़ाने से देश के लगभग 83,500 किसानों को आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों में अपने पंजीकरण के नवीकरण में मदद मिलेगी। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''इस उपाय से किसानों को हर साल अपने पंजीकरण/लाइसेंस को नवीनीकृत करने के समय की बचत होगी, ताकि वे तीन साल तक खेती करने के लिए अपने लॉजिस्टिक्स और वित्त की योजना बना सकें।'' भारत वर्ष 2023 के दौरान, मूल्य के संदर्भ में दुनिया में अनिर्मित तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। वित्त वर्ष 2024-25 में, निर्यात ने भारतीय खजाने में दो अरब डॉलर (16,728 करोड़ रुपये) का योगदान दिया। भारत में वर्जीनिया तंबाकू को तंबाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 के तहत विनियमित किया जाता है। अधिनियम के अनुसार, वर्जीनिया तंबाकू की खेती करने के इच्छुक प्रत्येक उत्पादक को उत्पादक के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र और खलिहान के संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त करना होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
चेन्नई क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

NAME CHANGE
मैं, SAVITRI,
लक्ष्मन दोदामनी की बेटी
जन्म 28/07/1991
(जन्म जिला : बेलागावी)
निवासी हुंस्याल (Py),
पोस्ट हुंस्याल (Py),
डाकघर - कुलगोड़,
तहसील - मुड़लगी,
स्टेट - कर्नाटक
पिन- 591227
अब से इस नाम से जाना जाएगा
SAVITRI LAXMAN DODAMANI
SAVITRI (Old Name)

NAME CHANGE
मेरी बेटी, SHRUSTI,
जन्म 02/06/2011
(जन्म जिला : बेलागावी)
निवासी हुंस्याल (Py),
पोस्ट हुंस्याल (Py),
डाकघर - कुलगोड़,
तहसील - मुड़लगी,
स्टेट - कर्नाटक
पिन- 591227
अब से इस नाम से जाना जाएगा
SHRUSTI LAXMAN DODAMANI
Laxman Dodamani (Father)

NAME CHANGE
मेरा बेटा, SAMYD,
जन्म 30/06/2013
(जन्म जिला : बेलागावी)
निवासी हुंस्याल (Py),
पोस्ट हुंस्याल (Py),
डाकघर - कुलगोड़,
तहसील - मुड़लगी,
स्टेट - कर्नाटक
पिन- 591227
अब से इस नाम से जाना जाएगा
SAMYD LAXMAN DODAMANI
Laxman Dodamani (Father)

बेंगलूरु 'रोड रेज' मामला: कॉल सेंटर कर्मी पर हमले के आरोपी वायुसेना अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। बेंगलूरु में 'रोड रेज' की घटना में वायुसेना अधिकारी की शिकायत पर गिरफ्तार किए गए कॉल सेंटर कर्मचारी की शिकायत पर 40 वर्षीय वायुसेना अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले अधिकारी की शिकायत पर कॉल सेंटर कर्मी को गिरफ्तार किया गया था, जिसके जवाब में उसने अधिकारी के खिलाफ यह प्राथमिकी दर्ज कराई है।

भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस ने एक वीडियो साझा करके आरोप लगाया था कि सोमवार सुबह बेंगलूरु में कन्नड़ भाषी लोगों के समूह ने बाइक से उनका पीछा किया और हमला किया और गाली गलौज की। पुलिस ने इसे 'रोड रेज' का मामला बताते हुए विकास कुमार को गिरफ्तार किया, जो सॉफ्टवेयर कंपनी के कॉल सेंटर में 'टीम हेड' के रूप में काम करता है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला किया और कुछ कथित वीडियो में भारतीय वायुसेना अधिकारी आरोपी से मारपीट करते दिख रहे हैं, जिसे देखने के लिए कई लोग वहां जमा हो गए। वीडियो में अधिकारी कुमार के साथ बहस करते और सार्वजनिक रूप से उसकी पिटाई करते हुए दिख रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी उन्हें रोकने की कोशिश करती नजर आ रही हैं।

राहुल के आरोपों पर ईसी सूत्रों ने कहा: कांग्रेस ने महाराष्ट्र में असामान्य मतदान का विषय नहीं उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के आखिरी दो घंटों में असामान्य मतदान संबंधी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को मंगलवार को खारिज कर दिया और कहा कि मुख्य विपक्षी दल ने मतदान के दौरान या बाद में ऐसा कोई विषय नहीं उठाया था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बीते 20 अप्रैल को अमेरिका के बोस्टन शहर में एक संवाद कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए भारत की चुनावी प्रक्रिया पर एक बार फिर सवाल खड़े किए थे और आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग की (सरकार के साथ) 'मिलीभगत' है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत की चुनावी प्रणाली में कुछ न कुछ गड़बड़ है। निर्वाचन आयोग सूत्रों ने रेखांकित किया कि सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान केंद्रों पर पहुंचने वाले 6,40,87,588 (6.40 करोड़) मतदाताओं ने महाराष्ट्र चुनाव में मतदान किया। उन्होंने बताया कि औसतन प्रति घंटे करीब 58 लाख वोट डाले गए। औसत रुझान के अनुसार, दो घंटों में करीब 1.16 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया होगा। आयोग के एक पदाधिकारी ने बताया, ''इसलिए, दो घंटों में मतदाताओं द्वारा 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान के रुझान से काफी कम है।'' सूत्रों ने कहा कि यह (मतदान) हर मतदान केंद्र पर उम्मीदवारों या राजनीतिक दलों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त किए गए मतदान एजेंट की मौजूदगी में हुआ।

भारतीय विरासत स्थलों पर पर्यटकों की संख्या पांच साल में 19 फीसदी बढ़ी, टिकट राजस्व 2.83 फीसदी घटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के लोकप्रिय विरासत स्थलों पर 2023-24 में पर्यटकों की संख्या में कोरोना-पूर्व काल के मुकाबले 19 फीसदी से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, इससे टिकट बिक्री से अधिक राजस्व हासिल करने में मदद नहीं मिली, अलबत्ता यह राशि 2.83 प्रतिशत घट गई। आधिकारिक आंकड़ों का विश्लेषण तो कुछ यही बयां करता है।

राज्यसभा में 143 विरासत स्थलों के संबंध में पेश भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि इन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या 2019-20 में लगभग 4.60 करोड़ से 19.35 फीसदी बढ़कर 2023-24 में करीब 5.49 करोड़ हो गई। विश्लेषण के मुताबिक, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के बावजूद इन विरासत स्थलों पर टिकट की बिक्री से होने वाले राजस्व में 2.83 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 2019-20 में लगभग 312.54 करोड़ रुपये से घटकर 2023-24 में करीब 303.70 करोड़ रुपये हो गया। विश्लेषण के अनुसार, टिकट बिक्री से होने वाले राजस्व में गिरावट घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में आए बदलाव की ओर इशारा करती है। आंकड़ों पर गौर करें तो इन विरासत स्थलों पर घरेलू पर्यटकों की संख्या 2019-20 में लगभग 4.36 करोड़ से 21.75 फीसदी बढ़कर 2023-24 में करीब 5.31 करोड़ हो गई, जबकि विदेशी पर्यटकों की आमद में 16.03 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई और यह 2019-20 में करीब 27.56 लाख से घटकर 2023-24 में लगभग 23.15 लाख हो गई। विश्लेषण के मुताबिक, घरेलू पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और विदेशी आगंतुकों की तादाद में कमी कोरोना-पूर्व काल की तुलना में कुल पर्यटक संख्या में इजाफे के बावजूद टिकट ब्रिकी से राजस्व में गिरावट की मुख्य वजह है, क्योंकि विदेशी आगंतुकों से अधिक टिकट शुल्क वसूला जाता है। यह रुझान राष्ट्रीय तस्वीर को बयां करता है। आंकड़ों के अनुसार, देश में 2023-24 में राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी पर्यटकों का आगमन (एफटीए) 2019-20 के स्तर के मुकाबले लगभग 87 फीसदी (95.2 लाख) रहा।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने कुलपतियों की बैठक बुलाई, उपराष्ट्रपति को आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की एक बैठक बुलाई है, जिसके उद्घाटन सत्र को संबोधित करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को आमंत्रित किया गया है। रवि का यह फैसला ऐसे वक्त हुआ है जब राज्यपाल और द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) सरकार के बीच तल्खी भरे रिश्ते हैं और हाल में उच्चतम न्यायालय का फैसला तमिलनाडु सरकार के पक्ष में आया है। नीलगिरि जिले में 25 और 26 अप्रैल को होने वाली इस बैठक को लेकर यहां के राजनीतिक दलों, खासकर वाम दलों की ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया आ चुकी है, जिन्होंने कुलपतियों से बैठक का बहिष्कार करने की अपील की है। एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उपराष्ट्रपति का उद्घाटन सत्र के दौरान कुलपतियों को संबोधित करने का कार्यक्रम है और वह इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे तथा फिर 27 अप्रैल को कोयंबटूर का दौरा करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हो जाएंगे।

यहां राजभवन से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु के राज्य, केंद्रीय और निजी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के कुलपतियों का वार्षिक सम्मेलन लगातार चौथे वर्ष राजभवन, उदगमंडलम में आयोजित किया जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है, भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 25 अप्रैल को मुख्य अतिथि बनने और सम्मेलन का उद्घाटन करने की सहमति दे दी है। तमिलनाडु के राज्य विश्वविद्यालयों के राज्यपाल-कुलाधिपति आर एन रवि सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा और इसमें संवाद सत्र भी होंगे। जिन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, उनमें राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा, विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक सहयोग व कृत्रिम मेधा का उपयोग समेत अन्य विषय शामिल हैं। गौरतलब है कि धनखड़ ने उच्चतम न्यायालय के फैसले के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की थी और कहा था कि अनुच्छेद 142 न्यायपालिका के लिए लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल बन गया है।

कुलपतियों की बैठक उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के बाद हो रही है, जिसमें राज्य विधानसभा द्वारा पुनः पारित 10 विधेयकों को 'स्वीकृति-प्राप्त' मान लिया गया है। इनमें कुलपतियों की नियुक्ति और मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति बनाने संबंधी विधेयक शामिल हैं। एक हफ्ते पहले मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कुलसचिवों (रजिस्ट्रार) को संबोधित किया था।

बैठक बुलाने के लिए राज्यपाल की निंदा करते हुए द्रमुक की सहयोगी विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) प्रमुख टी. थिरुमावलवन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को नियुक्त करने का अधिकार ग्रहण कर लिया है और अब इस संबंध में रवि की कोई भूमिका नहीं रह गई है।

एक अन्य सहयोगी, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थगई ने कहा कि उनकी पार्टी रवि के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करेगी और 25 अप्रैल को उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल की नीलगिरि यात्रा के दौरान काले झंडे भी दिखाएगी। बैठक बुलाने को लेकर राज्यपाल की आलोचना करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव पी षणमुगम ने कहा कि कुलपतियों को बैठक में आमंत्रित करके रवि जानबूझकर टकराव भड़का रहे हैं, क्योंकि अब उनके पास बैठक आयोजित करने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह न सिर्फ उच्चतम न्यायालय के फैसले की अवमानना है, बल्कि संवैधानिक मानदंडों का गंभीर उल्लंघन भी है। उन्होंने राज्य सरकार से कुलपतियों को बैठक में शामिल न होने का निर्देश देने की मांग की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कैंसर विशेषज्ञ डॉ. वी. शांता की स्मृति में सभागार का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को मशहूर कैंसर विशेषज्ञ और कैंसर संस्थान (डब्ल्यूआईए), अड्यार की पूर्व अध्यक्ष डॉ. वी. शांता की स्मृति में एक सभागार (संग्रहालय) का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अड्यार स्थित कैंसर संस्थान परिसर में डॉ. शांता की प्रतिमा का अनावरण किया और उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस कार्यक्रम में कैंसर संस्थान (डब्ल्यूआईए) के अध्यक्ष एन. एल. राजा, संस्थान की निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. कल्पना बालकृष्णन, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एम सुब्रमण्यन और 'द हिंदू पब्लिशिंग' समूह के निदेशक एन. राम सहित कई विशिष्टजन उपस्थित रहे।

डॉ. वी. शांता (11 मार्च 1927 19 जनवरी 2021) का संपूर्ण चिकित्सकीय जीवन कैंसर रोगियों की सेवा, रोग की रोकथाम, नियंत्रण तथा शोध में समर्पित रहा। उन्होंने चेन्नई स्थित कैंसर संस्थान की अध्यक्ष के रूप में अंतिम सांस तक अपनी सेवाएं दीं।

डॉ. शांता ने डॉ. कृष्णमूर्ति के साथ मिलकर केवल 12 बिस्तर वाले एक छोटे अस्पताल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापक कैंसर उपचार केंद्र में परिवर्तित करने में अहम भूमिका निभाई।

सरकारी कल्याणकारी योजनाएं हकीकत में भी लागू होनी चाहिए: प्रदर्शनकारी आशा कार्यकर्ताओं ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार के चौथे स्थापना दिवस समारोह के एक दिन बाद, राज्य सचिवालय के बाहर प्रदर्शन कर रहीं आशा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कहा कि यदि सरकार ने जनहित में कुछ कार्य किया है तो जनता को उसका लाभ हकीकत में महसूस होना चाहिए, केवल उसका प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता नहीं है।

'केरल आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन' (केएचडब्ल्यूए) की महासचिव एम. ए. बिंदु ने राज्य सरकार के स्थापना दिवस समारोह पर टिप्पणी करते हुए यह बात कही। सरकार इन समारोहों के तहत अपने चार साल के कार्यकाल में किए गए जनकल्याणकारी कार्यों की सूची जारी कर रही है।

पत्रकारों से बातचीत में बिंदु ने आरोप लगाया कि एक ओर सरकार यह कह रही है कि उसके पास प्रदर्शन कर रहीं मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) का मानदेय तीन हजार रुपये बढ़ाने के लिए धन नहीं है, वहीं दूसरी ओर वह भव्य समारोह आयोजित करने में भारी खर्च कर रही है। उन्होंने कहा, यदि सरकार ने लोगों के लिए कुछ किया है, तो जनता को स्वयं उसका लाभ महसूस होना चाहिए। अपने किए का इतने भारी-भरकम खर्च के जरिये प्रचार प्रसार करने की जरूरत नहीं है। बिंदु ने यह भी कहा कि सरकार जो खर्च कर रही है, वह आम जनता के कर के पैसे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को लेकर सरकार का रुख अलोकतांत्रिक है इसीलिए वे अब कासरगोड से तिरुवनंतपुरम तक राज्यव्यापी विरोध यात्रा निकालने जा रही हैं। केएचडब्ल्यूए के नेतृत्व में आशा कार्यकर्ताओं का एक समूह पिछले 72 दिनों से सचिवालय के बाहर प्रदर्शन कर रहा है। उनकी मांग है कि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद लाभ के दिए जाएं और मानदेय में वृद्धि की जाए।

विधेयक विवाद: न्यायालय विचार करेगा कि तमिलनाडु संबंधी फैसले में केरल के मुद्दे शामिल हैं या नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह इस बात का अध्ययन करेगा कि विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा तय करने की तमिलनाडु की याचिका में केरल सरकार की याचिकाओं में उठाए गए मुद्दे समाहित हैं या नहीं।

न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केरल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर राज्यपाल के खिलाफ राज्य सरकार की याचिकाओं पर छह मई को सुनवाई करने पर सहमति जताई। जब केंद्र और राज्यपाल के कार्यालय की ओर से पक्ष रख रहे अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली एक पीठ के एक फैसले में केरल सरकार के उठाए गए मुद्दों को शामिल नहीं किया गया। तब पीठ ने कहा, हम उस फैसले पर गौर करेंगे और देखेंगे कि क्या यहां उठाए गए मुद्दे इसमें शामिल हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने आठ अप्रैल को तमिलनाडु की याचिका पर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया और दूसरे दौर में राष्ट्रपति के विचार के लिए 10 विधेयकों को रोककर रखने के फैसले को अवैध एवं कानून के लिहाज से त्रुटिपूर्ण करार देते हुए खारिज कर दिया। पीठ ने पहली बार यह निर्धारित किया कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा उनके विचार के लिए आरक्षित विधेयकों पर उस तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना चाहिए, जिस दिन विधेयक उन्हें भेजा गया था। केरल अपने मामले में इसी तरह के निर्देश चाहता है। केरल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के के वेणुगोपाल ने मंगलवार को कहा कि राज्य की याचिकाएं हालिया फैसले में शामिल हैं। उन्होंने कहा, राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को संदर्भ भेजने की समय-सीमा क्या है और इस मुद्दे को उस निर्णय द्वारा निस्तारित किया गया है तथा कोई अन्य प्रश्न नहीं है। वेणुगोपाल ने पीठ से अनुरोध किया कि तमिलनाडु संबंधी फैसले के आलोक में केरल सरकार की याचिकाओं को स्वीकार किया जाए। हालांकि, मेहता ने दलीलें पेश करने पर जोर देते हुए कहा कि तमिलनाडु के फैसले में केरल का मामला शामिल नहीं है।

पीठ ने कहा, (तमिलनाडु संबंधी) निर्णय में इस मामले के कुछ बिंदु शामिल नहीं हैं और अनिवार्य रूप से अलग तथ्य हैं। उसने याचिकाओं पर सुनवाई के लिए छह मई की तारीख तय की।

पीठ ने वेणुगोपाल से कहा कि वह राष्ट्रपति द्वारा स्वीकृति न दिए जाने को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की तीसरी और बाद की याचिका का उल्लेख मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करें, ताकि इसे भी उनके पास भेजा जा सके। वेणुगोपाल ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश ने याचिका को 13 मई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। पीठ ने कहा कि वर्तमान याचिका के साथ अन्य याचिका को जोड़ने के लिए प्रधान न्यायाधीश के समक्ष उल्लेख किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने 2023 में केरल के तत्कालीन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा राज्य विधायिका द्वारा पारित विधेयकों को दो साल तक 'रोककर रखने' पर नाराजगी जाहिर की। खान वर्तमान में बिहार के राज्यपाल हैं। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 26 जुलाई को विपक्ष शासित केरल की उस याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की थी, जिसमें विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति न दिए जाने का आरोप लगाया गया था।

केरल सरकार ने आरोप लगाया कि खान ने कुछ विधेयकों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा था और उन्हें अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। याचिकाओं पर गौर करते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और केरल के राज्यपाल के सचिवों को नोटिस जारी किए। वेणुगोपाल ने कहा, यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। राज्य ने कहा कि उसकी याचिका राज्यपाल द्वारा सात विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए सुरक्षित रखने के कृत्य से संबंधित है, जिन्हें उन्हें स्वयं निपटाना था। उसने तर्क दिया कि सातों विधेयकों में से किसी का भी केंद्र-राज्य संबंधों से कोई लेना-देना नहीं है।

ईएमयू ट्रेन का डिब्बा पटरी से उतरा, कोई हताहत नहीं: दक्षिण रेलवे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में मंगलवार को एक 'इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (ईएमयू) ट्रेन की एक बोगी पटरी से उतर गई, हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ और न ही यातायात प्रभावित हुआ।

दक्षिण रेलवे ने यह जानकारी दी। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रेलवे ने कहा, चेन्नई बीच उपनगरीय यार्ड से निकलते समय पूर्वाह्न 11 बजकर आठ मिनट पर अवाडी ईएमयू की एक बोगी (पीछे से चौथी) पटरी से उतर गई जिस समय ट्रेन की रफ्तार 15 किलोमीटर प्रति घंटा थी। किसी यात्री या कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई।

मुख्य लाइन की पटरियां खाली होने के कारण ट्रेन परिचालन प्रभावित नहीं हुआ है। प्रभावित मार्ग को सही करने की प्रक्रिया जारी है।

वेंस की यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता एक कदम और आगे बढ़ी : सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता एक कदम और आगे बढ़ गई है। गौरतलब है कि भारत, अमेरिका के साथ एक प्रारंभिक समझौता करना चाहता है, जिसकी मदद से देश डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क से बच सकता है। वेंस ने सोमवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा शुरू की। अमेरिका ने फिलहाल भारतीय निर्यात पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क को 90 दिन के लिए रोक दिया है।

केरल उच्च न्यायालय को बम से उड़ाने की धमक निकली अफवाह, सुरक्षा कड़ी की गई

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय को मंगलवार दोपहर को ई-मेल के जरिए मिली बम की धमकी 'अफवाह' निकली। पुलिस के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बम की धमकी मिलने के बाद अदालत के सुरक्षाकर्मियों ने निरीक्षण किया और इसे 'अफवाह' करार दिया।

उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने बम निरोधक इकाई और स्वान दस्ते को तैनात करके अदालत परिसर और उसके आसपास निरीक्षण किया गया। अदालत के सूत्रों के अनुसार, उच्च न्यायालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

पिछले कुछ महीनों में तिरुवनंतपुरम, पथानामथिट्टा, वायनाड और पलक्कड़ सहित राज्य के कई हिस्सों में जिला कलेक्ट्रेट और राजस्व प्रभागीय अधिकारी (आरडीओ) के कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जो बाद में फर्जी निकलीं।

पुलिस ने बम निरोधक इकाइयों और स्वान दस्ते की मदद से तलाशी अभियान संचालित किया और ईमेल के जरिए मिली सभी धमकियों को अफवाह करार दिया।

यूडीएफ, एलडीएफ भाजपा के खिलाफ झूठा अभियान चला रहे: राजीव चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम (केरल)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) पर पिछले दो दशकों से भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार करने और उस पर सांप्रदायिक पार्टी का ठप्पा लगाने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि पिछले 10-20 वर्षों में यूडीएफ ने राज्य में भाजपा और पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ खूब दुष्प्रचार किया है। उन्होंने इस उत्तरी जिले में एक सम्मेलन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने (यूडीएफ और एलडीएफ) गठबंधन में यह दुष्प्रचार किया है कि भाजपा एक सांप्रदायिक पार्टी है और राजग एक सांप्रदायिक मोर्चा है। यह एक सरासर झूठ है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा-राजग सरकार 2014 से विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है, जिनका लक्ष्य देश के प्रत्येक नागरिक का कल्याण और विकास है। चंद्रशेखर ने कहा, चाहे वे किसी भी समुदाय या धर्म से संबंधित हों, अगर वे भारतीय नागरिक हैं तो सभी को इन योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जहां तक देश का सवाल है, 2004 से 2014 तक का कांग्रेस नीत संप्रग शासनकाल एक खोया हुआ दशक था क्योंकि इस दौरान भ्रष्टाचार और बेरोजगारी सबसे ज्यादा पनपी और अर्थव्यवस्था कमजोर हुई। वक्फ संशोधन अधिनियम मुद्दे का जिक्र करते हुए चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि यूडीएफ के प्रमुख सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने हाल ही में स्वीकार किया है कि वे एक विशेष समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। कांग्रेस ने पहले ही साबित कर दिया है कि आम लोगों की प्रगति और विकास उनकी प्राथमिकता नहीं है, बल्कि उनका ध्यान केवल वोट बैंक पर है। भाजपा प्रमुख ने सत्तारूढ़ एलडीएफ को भी नहीं बख्शा और कहा कि उनके पास राज्य का विकास करने की कोई क्षमता नहीं है।

भारत एक बेहतरीन बाजार, सैटकॉम क्षेत्र में कई खिलाड़ियों के आने का भरोसा : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को उपग्रह इंटरनेट क्षेत्र में और अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इस सेवा की विशेष रूप से भारत जैसे विशाल बाजार के ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में जरूरत है।

सरकार ने पहले ही अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी और सुनील भारती मित्तल समर्थित फर्मों को सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं देने के लिए लाइसेंस दे दिए हैं।

सिंधिया ने संकेत दिया कि अगर अन्य खिलाड़ी सुरक्षा और नियामक मानदंडों को पूरा करते हैं, तो और अधिक लाइसेंस दिए जा सकते हैं।

मंत्री का यह बयान एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक के लिए सकारात्मक है, जो भारत में परिचालन शुरू करना चाहती है। स्टारलिंक ने पिछले महीने अंबानी की रिलायंस जियो और मित्तल की भारती एयरटेल के साथ समझौते किए हैं। ये दोनों कंपनियां देश के दूरसंचार बाजार के 70 प्रतिशत से अधिक हिस्से को नियंत्रित करती हैं।

सिंधिया ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत में हर कंपनी का स्वागत है। उन्होंने स्टारलिंक के लाइसेंस आवेदन पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि इसे प्रारंभिक विनियामक मंजूरी मिल सकती है।

अभिनेता शाइन टॉम चाको के खिलाफ आरोपों और मामले को गंभीरता से ले रही केरल सरकार : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल सरकार अभिनेता शाइन टॉम चाको पर लगे मादक पदार्थ संबंधी आरोपों और उनके खिलाफ दर्ज मामले को काफी गंभीरता से देख रही है और पुलिस व आबकारी विभाग इस मामले पर नजर बनाए हुए है। राज्य के कानून मंत्री ने पी. राजीव ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मंत्री ने यह भी कहा कि कोई भी व्यक्ति या क्षेत्र कानून के दायरे से नहीं बचेगा। चाको के खिलाफ अभिनेत्री विंसी एलोशियस द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए राजीव ने कहा कि सरकार मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। विंसी एलोशियस ने फिल्म चैंबर में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें चाको पर फिल्म सेट पर नशे की हालत में अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया है। इस बीच, पुलिस ने कहा कि चाको के खिलाफ मादक पदार्थ से संबंधित नए मामले की जांच जारी है। कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त पुट्टा विमलादित्य ने भी बताया कि बहुत सी चीजों की जांच की जरूरत है और जांच पूरी होने से पहले चाको को पूछताछ के लिए बुलाने का कोई फायदा नहीं होगा।

नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता ऐसी चीज है जिससे अधिकांश नेता ईर्ष्या करेंगे : वेंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता ऐसी चीज है जिससे अधिकांश नेता ईर्ष्या करेंगे। जयपुर की यात्रा के दौरान वेंस ने कहा, मैंने कल रात प्रधानमंत्री मोदी से कहा – उनकी अप्रूवल रेटिंग इतनी अच्छी है कि मुझे उनसे ईर्ष्या होती है। प्रधानमंत्री मोदी के बातचीत कौशल की प्रशंसा करते हुए वेंस ने उन्हें 'बहुत सख्त वार्ताकार' बताया जो भारत के वाणिज्यिक हितों के लिए जमकर लड़ते हैं। उन्होंने कहा, मैंने खुद देखा है कि वह भारतीय उद्योग का कितनी मजबूती से बचाव करते हैं। अमेरिका और भारत कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग के जरिए एक साथ आगे बढ़ेंगे।

वेंस ने अमेरिका-भारत साझेदारी पर कहा, 21वीं सदी इस रिश्ते की मजबूती से आकार लेगी। राष्ट्रपति ट्रंप वैश्विक व्यापार को फिर से संतुलित करना चाहते हैं ताकि अमेरिका, भारत जैसे सहयोगियों के साथ मिलकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके। अमेरिकी उपराष्ट्रपति के मुताबिक वर्तमान अमेरिकी प्रशासन कृपालु लहजे से बचता है। उन्होंने कहा, अतीत में बहुत बार, वाशिंगटन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ उपदेशात्मक और यहां तक ङ्कङ्कि कृपालु व्यवहार किया है। पिछले प्रशासनों ने भारत को केवल सस्ते श्रम के स्रोत के रूप

में देखा, एक ऐसी सरकार की आलोचना की जो यकीनन लोकतांत्रिक दुनिया में सबसे लोकप्रिय है।

व्यापार संबंधों को लेकर उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और मैं, प्रधानमंत्री मोदी का एक सख्त वार्ताकार होने के लिए सम्मान करते हैं। हम उन्हें भारतीय उद्योगों का बचाव करने के लिए दोषी नहीं ठहराते। बल्कि, हम सवाल करते हैं कि पिछले अमेरिकी नेताओं ने हमारे श्रमिकों के लिए ऐसा क्यों नहीं किया। वेंस ने चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के बारे में आशा व्यक्त करते हुए, कहा, हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, रक्षा के क्षेत्र में, हमारे राष्ट्रों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। हम उन्नत सैन्य प्लेटफार्मों का सह-विकास कर सकते हैं।

इससे पहले वेंस ने पत्नी उषा और अपने तीन बच्चों के साथ आमेर के किले का दौरा किया। बाद में, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वेंस परिवार से मुलाकात की। अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं। सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया और शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा की। इसके बाद वे जयपुर रवाना हो गए। वह आगारा भी जाएंगे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस ने परिवार सहित आमेर का किला देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस और उनके परिवार ने मंगलवार को जयपुर स्थित विश्वविख्यात आमेर का किला देखा। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वेंस का परिवार शहर में स्थित आलीशान रामबाग पैलेस होटल से रवाना हुआ और सुबह करीब 9:30 बजे आमेर के किले में पहुंचा। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित इस किले में वेंस परिवार का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। जब वे आमेर किले के मुख्य प्रांगण जलेब चौक में दाखिल हुए, तो दो सजी-धजी हथिनी चंदा और माला ने अपनी सूंड उठाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किले में उनकी अगवानी की और उनका स्वागत किया।

वेंस ने परिवार सहित, राजस्थान की जीवंत संस्कृति की झलक पेश करने वाले कच्ची घोड़ी, घूमर और कालबेलिया सहित लोक नृत्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुति का आनंद लिया। उपराष्ट्रपति वेंस अपने बेटे इवान और विवेक का हाथ थामे लाल कालीन पर चले, जबकि उनकी पत्नी उषा वेंस ने अपनी बेटी मीराबेल को गोद में उठाया हुआ था। ये लोग किले के प्रभावशाली प्रांगण और वास्तुकला से मंत्रमुग्ध दिखाई दिए। वेंस परिवार की इस यात्रा को देखते हुए आमेर के किले को सोमवार दोपहर 12 बजे से 24 घंटे के लिए आम जनता के लिए बंद कर दिया गया। आमेर का किला शहर से करीब 11 किलोमीटर दूर, अरावली पर्वतमाला की घाटी में स्थित है। यह भव्य किला विशाल महल परिसर है जिसे हल्के पीले और गुलाबी बलुआ पत्थर और सफेद संगमरमर से बनाया गया है। किला चार मुख्य खंडों में विभाजित है, जिनके अपने अपने प्रांगण हैं।

जयपुर में अपनी राजधानी स्थानांतरित करने से पहले आमेर कछवाहा राजपूतों की राजधानी हुआ करता था। मान सिंह प्रथम ने 16वीं शताब्दी के अंत में नए महल परिसर का निर्माण शुरू किया था। राजा मान सिंह प्रथम के बाद, राजा जय सिंह प्रथम और सवाई जय सिंह द्वितीय ने समय-समय पर जरूरतों के अनुसार इसमें संशोधन और बदलाव किए। उन्होंने अपनी रुचि के अनुसार आंतरिक साज-सज्जा में भी बदलाव किए। पूरे किले का निर्माण चार चरणों में किया गया था।

किले के अंदर स्थित महल राजपूत महाराजाओं और उनके परिवारों का निवास स्थान था। इसमें दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, शीश महल और सुख निवास शामिल हैं। शीश महल प्रकाश और दर्पण प्रभाव के लिए प्रसिद्ध है। दीवारों पर कई छोटे-छोटे दर्पण लगे हैं। हॉल का निर्माण इस तरह से किया गया है कि अगर प्रकाश की एक भी किरण अंदर आती है, तो वह वहां लगे दर्पणों में परावर्तित हो जाती है, और पूरा हॉल रोशन हो जाता है। वेंस की यात्रा के मद्देनजर शहर में सुरक्षा के चाकचौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। जिन रास्तों से इनका काफिला गुजरना है वहां से यातायात भी दूसरे मार्गों से भेजा गया है।

वक्फ की संपत्ति पर काबिज लोग ही वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर भड़का रहे हैं समाज को : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर देशवासियों को गुमराह करके समाज का विघटन करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि समाज को तोड़ने, उसमें जाति वैमनस्य पैदा करने एवं वर्ग संघर्ष करने का प्रयास किया जा रहा है और समाज को भड़काने का काम वो ही लोग कर रहे है जो वक्फ की संपत्ति पर काबिज है। राठौड़ मंगलवार को यहां पार्टी की वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की जयपुर शहर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा को छोड़कर कांग्रेस और इंडी गठबंधन समाज को भ्रमित कर रहे हैं, ऐसे में हम सभी को वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को लेकर वस्तु स्थिति समाज के सामने रखने का प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण इंडी गठबंधन गांधी परिवार के लिए काम कर रहा है और उसे समृद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्पसंख्यकों के साथ सभी वर्ग के लोगों को समृद्ध करने का प्रयास कर रहे है। इस दिशा में कार्य करते हुए मोदी सरकार ने तीन तलाक पर कानून बनाकर मुस्लिम बहनों के सम्मान के लिए कार्य किया, पीएम आवास योजना में मुस्लिम बहनों के नाम आवास पट्टे जारी करने का ऐतिहासिक कार्य किया। मोदी सरकार सभी धर्म, समुदाय और वर्ग के उत्थान के साथ उनके सम्मान जनक जीवन जीने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन का मुख्य उद्देश्य वक्फ की 38 लाख एकड़ जमीन से होने वाली आय का उपयोग गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के लिए किया जाए।

अल्लाह को दान में दी गई जमीन वक्फ संपत्ति है, अब अल्लाह की संपत्ति से होने वाली आय उस समाज के उत्थान के लिए लगनी चाहिए लेकिन समाज के कुछ मठाधीशों ने वक्फ की संपत्ति से अपना घर भरने का काम किया है। गरीब मुस्लिम वर्ग को लाभ ना देकर स्वयं या परिवार को लाभान्वित किया जा रहा है। मोदी सरकार का प्रयास है कि देश का गरीब वर्ग समृद्ध और सशक्त होगा तो देश समृद्धी की ओर अग्रसर होगा लेकिन कांग्रेसी नेताओं ने कभी गरीब वर्ग की चिंता नहीं की। कार्यशाला में भाजपा जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभियान के प्रदेश संयोजक कैलाश चौधरी, विधायक कालीचरण सराफ एवं बाल मुकुंदाचार्य, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, मेयर सौम्या गुर्जर, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती आदि शामिल हुए।

अशोक गहलोत ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में गांधी परिवार का समर्थन किया

शिमला/जयपुर/एजेन्सी

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में मंगलवार को गांधी परिवार का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि इससे किसी को कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं हुआ। गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों का दबाव बनाकर गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बनाने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'नेशनल हेराल्ड' की सभी संपत्तियां एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के नियंत्रण में हैं और यंग इंडिया (वाईआई) नाम के एक गैर-लाभकारी संगठन के माध्यम से इसकी देनदारियों को चुकाने का प्रयास किया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि देश गलत दिशा में जा रहा है, विपक्षी नेताओं के साथ 'दुश्मनों' जैसा व्यवहार किया जा रहा है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग व केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर उन्हें (विपक्षी नेताओं को) निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नौ साल पुराने 'नेशनल हेराल्ड' मामले को अब बदला लेने के लिए उठाया जा रहा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी को खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'कांग्रेस मुक्त भारत' की बात कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस देश की 'विरासत' है और इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि गांधी परिवार ने मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू के समय से लेकर आज तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन पार्टी के सदस्यों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 35 वर्ष में गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने सरकार में कोई पद नहीं संभाला है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया और मनमोहन सिंह को इस प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त किया। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त की और आरोप लगाया कि विपक्ष, खासकर राहुल गांधी की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि चुनावी बाण्ड की शुरूआत से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को नुकसान पहुंचा है।

नीट अभ्यर्थी ने छात्रावास के कमरे में फांसी लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा में रहकर पढाई कर रहे बिहार के 18 वर्षीय एक 'नीट' अभ्यर्थी ने मंगलवार तड़के अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार कमरे से बरामद कथित 'सुसाइड नोट' में छात्र ने लिखा है कि उसके इस कदम के पीछे न तो उसका परिवार और न ही 'नीट-यूजी (मेडिकल प्रवेश परीक्षा)' की तैयारी कारण है। कुन्हाड़ी थाने के अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने कहा कि बिहार के छपरा का यह छात्र करीब एक साल से यहां एक कोचिंग संस्थान में नीट-यूजी की तैयारी कर रहा था और लैंडमार्क सिटी इलाके में एक छात्रावास में रह रहा था। भारद्वाज ने कहा कि यह आत्मघाती कदम उठाने से पहले इस छात्र ने अपनी बहन को व्हाट्सएप संदेश भेजा जिसके बाद उसने (छात्र की बहन ने) छात्रावास के 'केयरटेकर' को कॉल की और अपने भाई के कमरे को देखने को कहा।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक जब 'केयरटेकर' ने किशोर के कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। तब पुलिस मौके पर पहुंची और उसने दरवाजा तोड़ा। भारद्वाज ने बताया कि छात्र कमरे में फांसी पर लटका हुआ मिला। उन्होंने बताया कि छात्रावास के कमरे में पंखे में 'आत्महत्या रोधी' उपकरण लगा हुआ था, लेकिन छात्र ने फांसी लगाने के लिए इस्तेमाल की गई रस्सी को उपकरण के ऊपर लगे लोहे के हुक से बांध दिया। पुलिस के अनुसार कमरे से 'सुसाइड नोट' बरामद हुआ है। उसमें छात्र ने लिखा है कि उसके इस फैसले के लिए न तो उसका परिवार और न ही नीट परीक्षा की तैयारी जिम्मेदार है। भारद्वाज ने बताया कि नोट में छात्र ने अपने इस आत्मघाती कदम की वजह नहीं बताई। उन्होंने बताया कि छात्र ने यह भी अनुरोध किया है कि उसका नाम, परिवार का विवरण या फोटो मीडिया के साथ साझा न किया जाए।

उन्होंने बताया कि छात्र के इस कदम के पीछे की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। भारद्वाज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए एमबीएस अस्पताल के शवगृह में रख दिया गया है, जो उसके परिवार के सदस्यों के यहां पहुंचने के बाद किया जाएगा। देश के कोचिंग हब कोटा में इस साल छात्र आत्महत्या का यह 11वां मामला है। पिछले साल यह संख्या 17 थी।

महाराणा सांगा आज भी भारत के प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा स्रोत : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भरतपुर जिले के खानुआ स्थित ऐतिहासिक युद्ध स्मारक स्थल पर राजस्थान धरोहर प्राधिकरण संरक्षण की ओर से मंगलवार को पहली बार शहीदों को श्रृद्धांजलि एवं महाराणा सांगा एवं बाबर के मध्य हुये युद्ध में शहीद हुये राजा-महाराजाओं के वंशजों का सम्मान समारोह गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसमें देशभर से वीर शहीदों के वंशज उपस्थित हुये। गृह राज्य मंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि महाराणा सांगा ने देश, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिये भारतवर्ष के सभी राजा-महाराजाओं को एक करते हुये खानुआ के युद्ध में अदम्य साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा ने 100 युद्ध लड़े जिनमें से 99 में विजय प्राप्त की तथा खातौली, बयाना के युद्धों में विदेशी आक्रांताओं को धूल चटाने का कार्य किया था। महाराणा सांगा की वीरता, अदम्य साहस एवं युद्ध कौशल का तत्कालीन समय में सभी विदेशी हमलावर लोहा मानते थे। उन्होंने कहा कि खानुआ का युद्ध भारत एवं विदेशी आक्रांताओं के बीच महत्वपूर्ण घटना थी, इस युद्ध का विश्व पटल पर प्रभाव पडा था। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा के नेतृत्व में सभी जाति-धर्म के योद्धाओं ने युद्ध में भाग लेकर विदेशी आक्रांताओं का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा आज भी भारत के प्रत्येक युवा के लिये प्रेरणा स्रोत व सम्मानीय हैं। आने वाली पीढियां पूरे आदरभाव के साथ खानुआ युद्ध में भाग लेने वाले शहीदों की ऋणी रहेंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खानुआ युद्ध स्मारक के विकास के लिये 3 करोड़ रूपये की अतिरिक्त स्वीकृति जारी की है इससे सम्पूर्ण क्षेत्र का विकास कर डिङ्गजिटल तकनीकी के साथ युवाओं को प्रेरणादायक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा। इससे पूर्व उन्होंने महाराणा सांगा एवं युद्ध में शहीद हुये वीरों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया तथा खानुआ के युद्ध स्थल पर बने द्वार का फीता काटकर उद्घाटन किया। लखावत ने कहा कि खानुआ का युद्ध 1527 में लड़ा गया था जिसमें महाराणा सांगा के नेतृत्व में देशभर के राजा-महाराजाओं ने भाग लेकर देश-धर्म की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहुतियां दी थी।

पशुपालकों की सुविधा के लिए लॉन्च हुआ चैटबॉट : कुमावत

जयपुर। पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मोबाईल वेटरिनरी यूनिट सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है जिसका अधिकाधिक लाभ पशुओं और पशुपालकों को मिलना ही चाहिए। इसके लिए हमें हर संभव प्रयास करने चाहिए। मोबाईल वैटेरीनरी यूनिट्स से संबंधित यह चैटबॉट एक नवाचार है निश्चय ही अन्य राज्य भी इससे प्रेरित होंगे। वे मंगलवार को पशुपालन विभाग द्वारा आरएसएलएमटीआई में आयोजित 1962-एमवीयू राजस्थान (चैटबॉट नंबर 9063475027) तथा योजना की प्रचार सामग्री के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में शासन सचिव, पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य डॉ समित शर्मा तथा पशुपालन निदेशक डॉ आनंद सेजरा, बीएफआईएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष जे श्रीधरन तथा गोपालन निदेशक प्रह्लाद सहाय नागा भी उपस्थित थे।

मंत्री कुमावत ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की एक ही मंशा है कि पशुपालकों को उनके पशुओं के लिए चिकित्सा उनके दरवाजे पर मिले और इसीलिए प्रधानमंत्री ने मोबाइल वैटरिनरी यूनिट की सुविधा पशुपालकों के लिए शुरू करवाई। प्रदेश में एक साल पहले मोबाईल वैटेरिनरी यूनिट्स का संचालन शुरू हुआ था। 1962-कॉल सेंटर को संचालित हुए भी लगभग छः महीने हो चुके हैं। हालांकि प्रदेश में मोबाईल वैटेरीनरी यूनिट्स द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की स्थिति संतोषप्रद है लेकिन जिस स्तर पर इसका उपयोग होना चाहिए था वह नहीं हो पा रहा है और हम अपने लक्ष्य से अभी काफी दूर हैं। योजना को प्रदेश के अधिकाधिक पशुपालकों तक पहुंचाने के लिए योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है।

वन मंत्री ने फतेहपुर में किया पौधारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर/दक्षिण भारत । विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सीकर जिले के फतेहपुर तहसील के अलफसर गांव में जिला प्रशासन एवं पण्डित बद्रीप्रसाद महर्षि चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में पण्डित बद्रीप्रसाद महर्षि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियालों राजस्थान के संकल्प को दोहराया।

शर्मा ने कहा कि प्रकृति हमारी जीवनदायिनी है, जिससे हम जन्म से मृत्यु तक अनेक संसाधन प्राप्त करते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व आज गर्मी, अत्यधिक बारिश और सूखे जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण ही प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का एकमात्र उपाय है।

शर्मा ने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम लगाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए दूसरों को प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 'हरियाला राजस्थान' अभियान के तहत राज्य को तीन करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य मिला था, जिसे पूर्ण करते हुए 7 करोड़ 22 लाख पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि का उल्लेख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' में भी किया हैं।

शर्मा ने कहा कि इस वर्ष मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 10 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से इस वर्ष भी यह लक्ष्य न केवल प्राप्त होगा, बल्कि इस इस वर्ष भी आम जन की सहभागिता से पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं पौधारोपण को लेकर निरंतर जनता को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने पण्डित बद्रीप्रसाद महर्षि चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की और सभी से पर्यावरण जागरूकता के लिए निरंतर प्रयास करने का आग्रह किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों की मांग पर फतेहपुर से भगासरा तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवाने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व प्रभारी मंत्री शर्मा ने पण्डित बद्रीप्रसाद महर्षि राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय का निरीक्षण कर अस्पताल परिसर में तथा विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सिविल सेवा परीक्षा में अव्वल आईं शक्ति दुबे ने बिना कोचिंग के सफलता प्राप्त की : पिता

प्रयागराज/भाषा। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रयागराज जिले की शक्ति दुबे के पिता ने मंगलवार को कहा कि उनकी बेटी ने बिना कोचिंग के यह सफलता हासिल की है। जिले के यमुना नगर के नैनी थाना क्षेत्र में मामा भांजा तालाब के पास रहने वाली शक्ति दुबे के पिता देवेंद्र दुबे ने संवाददाताओं को बताया, मेरी बेटी ने यहीं पास के एसएमसी घूरपुर स्कूल से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई की और फिर इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीएससी में टॉप किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर कार्यरत देवेंद्र दुबे ने कहा, स्नातक की पढ़ाई के बाद बेटी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से एमएससी की पढ़ाई की और वहां भी उसने टॉप किया। उसने कहीं कोचिंग नहीं ली। हमने उसे कोचिंग के लिए दिल्ली भेजा था, लेकिन कोरोना आने पर वह घर वापस आ गई। शक्ति दुबे की मां प्रेमा देवी ने बताया कि उनकी बेटी ने सिविल सेवा की परीक्षा में टॉप किया, यह सुनकर उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ और भगवान की कृपा से यह सब हुआ। उनके मुताबिक, शक्ति अभी दिल्ली में है और जल्द ही वापस लौटेंगी। यूपीएससी के अनुसार, शीर्ष रैंक प्राप्त करने वाली शक्ति दुबे ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातक (विज्ञान स्नातक) किया है।

हेमा मालिनी का ब्रजवासियों से यमुना नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मशहूर सिने अभिनेत्री और मथुरा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर ब्रजवासियों से यमुना नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस का ध्येयवाक्य 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रमुख सब्सिडी योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अनुरूप है।

हेमा मालिनी ने कहा, ''यह योजना न केवल लोगों को पैसे बचाने का अवसर देती है, बल्कि बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी कम करती है।''

पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू 'रूफटॉप' सौर पहल है जिसके तहत 10 मार्च, 2025 तक 10 लाख घरों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है।

सांसद ने कहा कि 13 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई यह परिवर्तनकारी योजना भारत के ऊर्जा परिदृश्य को तेजी से नया आकार दे रही है।

इस बीच, मथुरा के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा शुरू की गयी एक अन्य अनूठी योजना बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और अब तक 850 से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं। जिलाधिकारी की इस योजना के तहत हर शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण और नए शस्त्र लाइसेंस आवेदक को 10 पेड़ लगाना अनिवार्य है।

पृथ्वी दिवस पर योजना के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा,''इस पहल के पीछे का विचार लोगों को हमारे पौधे को बचाने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना था। हम अपने ग्रह की जितनी अधिक देखभाल करेंगे, वह उतना ही हमारा ख्याल रखेगा।''

मथुरा के सामाजिक वानिकी प्रभाग ने मंगलवार को पृथ्वी दिवस की थीम पर दो स्कूलों में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की।

प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) रजनी कांत मित्तल ने कहा, ''बच्चों को कम उम्र से ही जागरूक करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे हमारा भविष्य हैं और इस संबंध में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।''

दुबे ने न्यायाधीश की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा, कांग्रेस ने किया पलटवार

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने 1970 के दशक में एक न्यायाधीश की नियुक्ति का हवाला देते हुए नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया और कटाक्ष करते हुए कहा कि यह कांग्रेस के 'संविधान बचाओ' की मजेदार कहानी है। कांग्रेस ने उन पर पलटवार करते हुए गुमानमल लोढ़ा एवं रंजन गोगोई का उदाहरण दिया और दावा किया कि न्याय प्रक्रिया, न्यायालयों और न्यायाधीशों का जितना बेशर्मी भरा राजनीतिक इस्तेमाल आरएसएस, जनसंघ और भाजपा ने किया है वह इतिहास के पन्नों में दर्ज है।

हाल में प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के खिलाफ विवादित बयान देने वाले दुबे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस के संविधान बचाओ की एक मजेदार कहानी। असम में बहरुल इस्लाम साहिब ने कांग्रेस की सदस्यता 1951 में ली। तुष्टिकरण के नाम पर कांग्रेस ने उन्हें 1962 में राज्यसभा का सदस्य बना दिया और छह साल बाद दोबारा 1968 में राज्यसभा का सदस्य सेवाभाव के लिए बनाया।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने बहरुल इस्लाम को 1972 में राज्यसभा से इस्तीफा दिलाए बिना उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बना दिया तथा फिर 1979 में गुवाहाटी उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया। दुबे ने कहा, ''बेचारे 1980 में सेवानिवृत्त हो गए, लेकिन यह तो कांग्रेस है, उसने उन्हें दिसंबर 1980 में सीधे उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बना दिया। 1977 में इंदिरा गांधी जी के उपर लगे सभी भ्रष्टाचार के मुकदमे इन्होंने तन्मयता से खत्म कर दिए। फिर कांग्रेस ने इन्हें 1983 में उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्त कर राज्यसभा का तिबारा सदस्य 1983 में बना दिया।''

'बिहार को ऊर्जावान और दूरदर्शी नेता की जरूरत, चिराग बड़ी भूमिका के लिए तैयार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने मंगलवार को कहा कि उसके अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान चुनावी राज्य बिहार में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं और दावा किया कि राज्य को एक ऊर्जावान और दूरदृष्टि रखने वाले 'फिट' नेता की जरूरत है।

राज्य में सियासी पारा बढ़ाने वाली टिप्पणियां करते हुए पासवान के करीबी सहयोगी एवं लोकसभा सदस्य अरुण भारती ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को एक साथ बैठकर निर्णय लेना चाहिए, क्योंकि केंद्रीय मंत्री राज्य के एक ऐसे नेता हैं, जिनके पास दूरदृष्टि है और सभी जातियों और समुदायों में उनकी स्वीकार्यता है। लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक ने कहा कि अन्य नेताओं में न तो दूरदर्शिता है और न ही उनकी स्वीकार्यता है। हालांकि, उन्होंने जद(यू) अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया।

पासवान के बहनोई भारती ने कहा कि नीतीश के नेतृत्व में बिहार ने ''शानदार काम'' किया है, लेकिन उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में इसकी विकास यात्रा अभी भी पीछे है। उन्होंने कहा, ''बिहार एक बड़े बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। चुनाव के बाद जो भी सत्ता में आएगा, वह अगले 20 से 25 वर्षों के लिए राज्य की यात्रा को आगे बढ़ाएगा और उसे आकार देगा। यह केवल एक दूरदर्शी और स्वीकार्य नेता ही कर सकता है।

झारखंड में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन का अस्पताल गरीबों को मुफ्त सेवाएं प्रदान करेगा

रांची/भाषा। झारखंड में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा बनाए जा रहे अस्पताल में गरीबों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। अस्पताल परियोजना के जनवरी 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। अगर यह परियोजना सफल रही तो देशभर में 15 और इसी तरह के अस्पताल तैयार किए जाएंगे। फाउंडेशन स्वास्थ्य परियोजना का नेतृत्व कर रहे आनंद स्वामीनाथन ने कहा कि रांची के इटकी प्रखंड में 150 एकड़ के अजीम प्रेमजी विवि परिसर में 230 बिस्तर वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल व मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है।

उप सरकार नाकामी छुपाने के लिए तरह-तरह की चीजों को अपनाती है : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए तरह-तरह की चीजों को अपनाती है। सपा प्रमुख मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार द्वारा पुलिस बल में जाति आधारित पदस्थापन के आरोपों को निराधार और भ्रामक बताने के एक दिन बाद सपा प्रमुख ने थानों में एक जाति विशेष के अधिकारियों की

तैनाती के आरोपों की चर्चा करते हुए कहा,''जब मैंने थानों में 'एसओ' और 'एसएचओ' पर 'सिंह साहब वाला बयान' दिया तो डीजीपी ने जवाब दिया। उस पर तो मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए। यादव ने कहा ,''पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के प्रति भाजपा की जो नफरत है उसे हमने उजागर किया। मैं विपक्ष में होने का कर्तव्य निभा रहा हूं। पीडीए के साथ जो भेदभाव हो रहा है उसको खत्म करने के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। सरकार गलती नहीं सुधार रही है। इसके बजाय, उसने एक अधिकारी को यह दावा करने के लिए आगे बढ़ाया है कि हम गलत डेटा पेश कर रहे हैं। सरकार खुद आगे क्यों नहीं आ रही है? यादव ने राज्य सरकार पर पुलिस पदस्थापन डेटा में हेराफेरी करने का भी आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने राज्य में सोमवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 33 अधिकारियों के तबादले का जिक्र करते हुए तंज किया। यादव ने सूचना निदेशक पद से दूसरे विभाग में भेजे गए शिशिर का बिना नाम लिए कहा कि सिंह भाई हटे तो सिंह भाई आ गए। तबादले में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक शिशिर सिंह को विशेष सचिव एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन और सीईओ खादी बोर्ड बनाया गया है, जबकि भदोही के जिलाधिकारी विशाल सिंह को निदेशक (सूचना एवं संस्कृति विभाग) की ज़िम्मेदारी सौंपी गयी है।

बंगाल: मुर्शिदाबाद हिंसा, नौकरी से बर्खास्तगी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के चिनसुरा में मंगलवार को मुर्शिदाबाद हिंसा और शिक्षकों की बर्खास्तगी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान जिलाधिकारी कार्यालय में घुसने की कोशिश कर रहे भाजपा समर्थकों की पुलिस कर्मियों के साथ झड़प हो गई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता दो अवरोधकों को पार करने में सफल रहे, लेकिन तीसरे अवरोधक से आगे बढ़ने की कोशिश के दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प हो गई।

भाजपा कार्यकर्ता अप्रैल की शुरुआत में मुर्शिदाबाद के कुछ हिस्सों में वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर हुई हिंसा की घटनाओं और उच्चतम न्यायालय द्वारा लगभग 26,000 शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को अमान्य करार दिए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। चिनसुरा में एक सभा को संबोधित करते हुए मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की दोषपूर्ण भर्ती प्रक्रिया के कारण शिक्षकों की नौकरी जाने के मद्देनजर ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा नेता ने आरोप लगाया, पश्चिम बंगाल में ममता के नेतृत्व में भ्रष्टाचार समाज के सभी वर्गों में फैल गया है। उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए (मुख्यमंत्री) पद छोड़ देना चाहिए। इस बीच, कोलकाता के एस्प्लेनेड इलाके में हिंदू सुरक्षा मंच के कार्यकर्ताओं ने मुर्शिदाबाद हिंसा के विरोध में रैली निकाली। वक्फ अधिनियम में संशोधन के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में एक पिता-पुत्र सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में 280 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कोलकाता में केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

कोलकाता/भाषा। पुलिस ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और कई अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं को उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे मुर्शिदाबाद हिंसा के पीड़ितों के लिए धन इकट्ठा करने के वास्ते मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास से कुछ ही दूरी पर कोलकाता के हाजरा मोड़ पहुंचे थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मजूमदार ने पुलिस द्वारा एक वैन में धकेले जाने के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''हम मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए धन इकट्ठा करने आए थे। क्या प्रभावित लोगों के लिए धन मांगना कोई अपराध है? क्या हम विरोध नहीं कर सकते? यह हमारा मौलिक अधिकार है।'' पुलिस ने इलाके से अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले लिया। इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह एक अत्यधिक सुरक्षा वाला स्थान है और कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाने वालों को पूर्व अनुमति लेनी होगी। उन्हें (भाजपा को) स्थानीय थाने से अनुमति लेनी चाहिए थी।''

मुर्शिदाबाद हिंसा 'बाहरी लोगों' ने रची, मई में संकटग्रस्त इलाकों का दौरा करेंगी ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि वक्फ अधिनियम को लेकर मुर्शिदाबाद के कुछ हिस्सों में भड़की हिंसा के लिए बाहरी लोग जिम्मेदार हैं और वह स्थिति का आकलन करने के लिए मई के पहले सप्ताह में अशांत क्षेत्रों का दौरा करेंगी। बनर्जी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार जिले के धुलियान के दो वार्डों में हुए दंगों के षड्यंत्रकारियों को जल्द ही बेनकाब करेगी।।

मिदनापुर में एक प्रशासनिक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण थी। हम दंगे नहीं चाहते। कुछ बाहरी लोगों ने इसे अंजाम दिया, लेकिन हम उन्हें और उनकी साजिश को उजागर करेंगे। बनर्जी ने कहा, मैंने हिंसा में मारे गए लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का वादा किया है। हम 'बांग्लार बारी' योजना के तहत उनके घरों का पुनर्निर्माण भी करेंगे... मैं मई के पहले सप्ताह में वहां जाऊंगी और स्थिति का आकलन करूंगी। राज्यपाल ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुई हिंसा के दौरान मारे गए व्यक्ति और उसके बेटे के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया था।

वायुसेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने पटना एयरशो के लिए पूर्ण अभ्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) ने बुधवार को पटना में होने वाले एयर शो के लिए पूर्ण अभ्यास किया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह अभ्यास मंगलवार को बिहार की राजधानी में गंगा नदी के तट पर आयोजित किया गया और यह स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों को समर्पित था।

सूर्य किरण टीम के नौ अत्याधुनिक हॉक-132 विमानों ने पटना के आसमान में गजब के करतब दिखाए। छात्रों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। शौर्य दिवस के अवसर पर बुधवार को राज्य की राजधानी में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शौर्य दिवस 23 अप्रैल को स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की ब्रिटिश सैनिकों पर जीत का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है। कुंवर सिंह ने बिहार के भोजपुर क्षेत्र से 1857 के विद्रोह के मुख्य आयोजक थे। उन्हें बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम से भी जाना जाता है।

राज्य की राजधानी में बुधवार को गंगा नदी के किनारे जे पी गंगा पथ पर भारतीय वायुसेना के विमानों द्वारा एयर शो प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआरडी) की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया, यह पहली बार होगा जब भारतीय वायुसेना का एसकेएटी पटना के आसमान में करतब दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। बुधवार को इस भव्य एयर शो को देखने के लिए हजारों लोग पटना के सभ्यता द्वार के सामने जुटेंगे।

इसमें कहा गया है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के बुधवार को शानदार एयर शो देखने की उम्मीद है।

पटना यातायात पुलिस ने एयर शो के लिए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है।

मणिपुर : चार उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल/भाषा। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी जिले के विभिन्न इलाकों से एक प्रतिबंधित संगठन के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि पीआरईपीएके (प्रो) संगठन से संबंधित एक महिला सहित तीन उग्रवादियों को सोमवार को 'न्गाखपत एडवेंचर खारोक' क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से प्वाइंट 32 बोर की एक पिस्तौल, पांच कारतूस से भरी एक मैगजीन, छह मोबाइल फोन और दो दोपहिया वाहन जब्त किए गए। ये हाल ही में इंफाल पूर्वी जिले में नाओरेम बिरहारी कॉलेज के समीप फिरौती के लिए दो व्यक्तियों के अपहरण करने में कथित रूप से शामिल थे। इंफाल पूर्वी जिले के सावोमबंग से रविवार को पीआरईपीएके के एक और उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान खुंद्रकपम काथो सिंह (22) के रूप में हुई है। इस बीच, पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को तेंगनौपाल जिले के यांगौबंग और टी बोंगमोल गांवों में तलाशी अभियान के दौरान 22 आईईडी, सात मोबाइल फोन और चकमा देने वाले पोशाक जब्त किए गए। इंफाल पूर्वी जिले में टीबी अस्पताल के पास केइराओ वांगखेम गांव की तलहटी में एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान एक मैगजीन के साथ एक 7.62 राइफल, 12 बोर की एक सिंगल बैरल बंदूक, एक स्नाइपर राइफल, दो मैगजीन के साथ नौ एमएम की दो पिस्तौल, मैगजीन के साथ प्वाइंट 22 बोर की पिस्तौल, कारतूस, एक वायरलेस सेट तथा चार बुलेटप्रूफ प्लेट जब्त किए गए।

एक जोड़ी चप्पल लौटाने में 99,000 रुपये की ऑनलाइन ठगी

भदोही (उप्र)/भाषा। भदोही जिले में ऑनलाइन चप्पल खरीदने और पसंद नहीं आने पर उसे लौटाने की कवायद में अधिवक्ता अरुण कुमार श्रीवास्तव 99,000 रुपये की ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गए। इस मामले में मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। ज्ञानपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष द्विवेदी ने बताया कि इस थाना क्षेत्र के बालीपुर निवासी अधिवक्ता 55 वर्षीय अरुण कुमार श्रीवास्तव ने 'अमेजन' से एक जोड़ी चप्पल 25 मार्च, 2025 को ऑनलाइन खरीदी और बाद में चप्पल पसंद नहीं आने पर उन्होंने इसे वापस कर दिया।

थाना प्रभारी का कहना है कि खरीदी गई चप्पल का भुगतान वापस लेने के लिए श्रीवास्तव ने गूगल सर्च के ज़रिये ढूढ़े गये एक 'कस्टमर केयर नंबर' पर फोन कर भुगतान वापस मांगा। उसी नंबर से व्हाट्सऐप काल पर एक व्यक्ति ने उनसे ओटीपी पूछा और अधिवक्ता ने ओटीपी बता दिया। द्विवेदी ने बताया कि बाद में अरुण कुमार श्रीवास्तव को जानकारी मिली कि इंडियन बैंक की ज्ञानपुर शाखा में उनके खाते से 99,000 रुपये निकल गए। उन्होंने बताया कि अरुण कुमार श्रीवास्तव ने गूगल पर किसी फर्जी वेबसाइट को खोलकर उस पर दिए गए नंबर को अमेजन का 'कस्टमर केयर नंबर' समझ लिया था और वह ठगी का शिकार हो गए। उन्होंने कहा कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नेशनल हेराल्ड मामला सरकार की विफलता से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा का आविष्कार: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सैयद नसीर हुसैन ने मंगलवार को कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को विकृत करने और केंद्र सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान हटाने के लिए गढ़ा गया मामला है।

हुसैन ने पणजी में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात में 'ऐतिहासिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अधिवेशन' से बौखलाई मोदी सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कांग्रेस पार्टी के पीछे छोड़ दिया है क्योंकि ये 'उनकी पसंदीदा आपराधिक वसूली मशीन हैं'। उन्होंने आरोप लगाया, नेशनल हेराल्ड मामला देश के सामने मौजूद महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने, अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने, स्वतंत्रता संग्राम को विकृत करने और कांग्रेस की विरासत का अपमान करने का मामला है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा दायर 'तथाकथित' आरोपपत्र को 'राजनीतिक षड्यंत्र' करार दिया। कांग्रेस नेता ने कहा, गांधी परिवार के हर सदस्य को भाजपा द्वारा निशाना बनाया जा रहा है, फिर चाहे वह राजनीति में है या नहीं। हुसैन ने कहा कि विडंबना यह है कि पहली बार धन शोधन के आरोप ऐसे मामले में लगाए जा रहे हैं, जिसमें एक भी पैसा या संपत्ति हस्तांतरित नहीं की गई है। उन्होंने सवाल किया, बही खाते को कर्ज मुक्त बनाने के लिए कर्ज को इक्विटी शेयर में बदला जाता है। यह एक आम चलन है और पूरी तरह से कानूनी है। जब पैसा ही नहीं है तो शोधन कहां है? हुसैन ने कहा कि चुनिंदा लोगों को निशाना बनाना न्याय नहीं बल्कि राजनीतिक ठगी है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने ईडी को अपना चुनाव विभाग बना लिया है तथा बेशर्मी से और बार-बार प्रतिशोध के लिए इसका दुरुपयोग कर रही है।

जनता एजेंसियों के दुरुपयोग के बारे में जान गई है, रणनीति में बदलाव करें प्रधानमंत्री : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने पति रॉबर्ट वाद्रा से पूछताछ और मां सोनिया गांधी तथा भाई राहुल गांधी के खिलाफ 'नेशनल हेराल्ड' मामले में आरोप पत्र दाखिल किए जाने को लेकर मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके सलाहकार गलत सलाह दे रहे हैं और उन्हें अब अपनी रणनीति में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने संसद परिसर में कहा कि यह सब राजनीतिक कारणों से हो रहा है।

प्रियंका गांधी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वह भी ईडी के 'निमंत्रण' का इंतजार कर रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में कथित तौर पर 988 करोड़ रुपये के धनशोधन के लिए यहां एक विशेष अदालत में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। इस बीच, ईडी ने 2008 के हरियाणा भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में पिछले दिनों में रॉबर्ट वाद्रा से तीन दिनों तक पूछताछ की। प्रियंका गांधी ने कहा, ''मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री के सलाहकार गलत सलाह दे रहे हैं। जनता समझ रही है कि एजेंसियों का किस तरह से दुरुपयोग हो रहा है, यह पूरी तरह से राजनीतिक है।''

सुविचार

सकारात्मक सोच के साथ आपके सकारात्मक कार्य से सफलता मिलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवा का मार्ग

संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा के नतीजों के बाद उन युवाओं के घरों में खुशी की लहर है, जिन्हें इस परीक्षा में सफलता मिल गई। वहीं, जिन युवाओं का चयन नहीं हुआ, वे अपने प्रयासों में रही कमी का आकलन कर रहे होंगे। ऐसी स्थिति में मन में कुछ निराशा का होना स्वाभाविक है। इससे विचलित नहीं होना चाहिए। अब अगले कुछ दिनों तक अखबारों और सोशल मीडिया में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पढ़ने-सुनने को मिलेंगे। वे ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और देशसेवा का संकल्प दोहराएंगे। वास्तव में सिविल सेवा परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की असल परीक्षा अब शुरू होगी। उन्हें प्रशिक्षण के बाद जहां नियुक्त किया जाएगा, वहां अपने संकल्पों को साकार करने का अवसर मिलेगा। उन्हें दिखाना होगा कि वे किसी तरह के दबाव, प्रभाव, लालच और पक्षपात के बगैर सच्चे अर्थों में देशसेवा को समर्पित हैं। जो अधिकारी ईमानदारी और सत्य के मार्ग पर चलते हैं, उनके सामने कई बाधाएं आती हैं। उस दौरान उन्हें बहुत सूझबूझ के साथ इस तरह आगे बढ़ना होगा कि कर्तव्य से न डिगें और जनता की उम्मीदों पर खरे उतरें। प्राय: कई युवाओं में यह धारणा पाई जाती है कि अगर वे आईएएस या आईपीएस अधिकारी बन जाएंगे, तो 'सबकुछ' सुधार देंगे। हालांकि हकीकत इससे कहीं अलग है। प्रशासनिक या पुलिस सेवा के अधिकारी के पास असीमित शक्तियां नहीं होती हैं। उन्हें कानूनी दायरे में रहकर काम करना होता है। अब सोशल मीडिया का ज़माना है। कैमरे के सामने की गई एक 'ग़लती' दुनियाभर में वायरल होते देर नहीं लगती। हाल के वर्षों में ऐसे भी मामले सामने आए, जब नए-नए आईएएस या आईपीएस अधिकारी बने शख्स ने किसी को धमकाया, अभद्र व्यवहार किया या अनैतिक तरीके से धन लेने की कोशिश की, तो उनकी हरकतें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। ऐसी घटनाएं निश्चित रूप से आम आदमी के विश्वास को तोड़ती हैं। जो युवा भविष्य में पद संभालेंगे, उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी कि वे जनता के विश्वास को मजबूत करें।

जो युवा किसी कारणवश इस साल सिविल सेवा परीक्षा में मनोनुकूल परिणाम नहीं प्राप्त कर सके, उन्हें दुगुने उत्साह के साथ भविष्य की तैयारी के लिए जुट जाना चाहिए। चूंकि इस परीक्षा में पद सीमित होते हैं और अवसर भी सीमित हैं, इसलिए युवाओं को हमेशा अन्य विकल्पों को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अगर आप देशसेवा करने के लिए आईएएस या आईपीएस अधिकारी बनना चाहते हैं और परीक्षा में सफलता मिल गई तो अच्छी बात है, लेकिन देशसेवा का यही एकमात्र मार्ग नहीं है। आज ऐसे सैकड़ों विकल्प हैं, जिनमें से किसी एक को चुनकर आप देश के विकास और खुशहाली में योगदान दे सकते हैं। बेशक सिविल सेवा परीक्षा पास करने में बहुत मेहनत लगती है। इसके लिए रणनीति बनानी होती है, बहुत अध्ययन करना होता है। ऐसे अनेक क्षेत्र हैं, जिनमें इस स्तर के अध्ययन के साथ काम किया जाए तो नतीजे बेमिसाल होंगे। हमारे देश में खेती और किसानों के मुद्दे हमेशा चर्चा में रहते हैं। युवाओं को इस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखानी चाहिए। समाज में दशकों से एक गलत धारणा ने जड़ जमा रखी है कि 'खेती और बागवानी के लिए पढ़ाई की जरूरत नहीं होती ... जो युवा पढ़ाई में होशियार है, उसे सिर्फ दफ्तर में बैठे रहकर काम करना चाहिए!' इस वजह से खेती में वैज्ञानिक तौर-तरीकों का प्रसार नहीं हुआ। साल 2022 में एक फिल्म आई थी- 'मेरे देश की धरती'। उसमें दिखाया गया था कि देश के प्रतिभाशाली युवा खेती में दिलचस्पी लें तो बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने ज्ञान को देश की धरती से जोड़ना होगा। जो युवा भारत मां की सेवा के लिए प्रतिबद्ध होंगे, वे किसी एक विकल्प तक सीमित नहीं रहेंगे। उन्हें सेवा का मार्ग अपने आस-पास ही मिल जाएगा।

ट्वीटर टॉक

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान सहित देशभर से चयनित सभी अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! आपकी यह स्वर्णिम उपलब्धि आपके अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प एवं अटूट आत्मविश्वास का सुफल है।

-भजनलाल शर्मा

बीजेपी दलितों को मंदिर में नहीं जाने देती है, और अगर कोई चला जाए तो वे मंदिर को धुलवाते हैं ये हमारा धर्म नहीं है।कांग्रेस और बीजेपी में यही फर्क है हमारे दिलों में सबके लिए मोहब्बत और इज़्ज़त है, जबकि उनके दिलों में सिर्फ नफ़रत।

-टीकाराम जूली

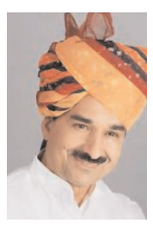

विकसित भारत के हमारे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी विकास रथ के हर चक्र को मिलकर चलना है। दृढ़ प्रतिज्ञ होकर हर क्षण, हर दिन इस लक्ष्य के लिए काम करना है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जीना है, जिंदगी खपानी है।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

विधि का विधान

एक बार की बात है कि भगवान शंकर व माता पार्वती भ्रमण कर रहे थे। पार्वती ने भगवान शंकर से अपनी शंका के समाधान हेतु प्रश्न किया, 'प्रभु क्या कारण है कि जो पहले से ही धनवान है आप उसे और अधिक धनवान बनाते हैं।' शंकर जी ने कहा, 'यह बात आपको समझ में नहीं आएगी।' पार्वती जी ने भगवान शंकर से कहा, 'भला ऐसी कौन-सी बात है, जो मेरे समझ में नहीं आएगी। आप बताइए तो सही।' मार्ग में एक जगह संयोग से दो कुएं थे। एक पक्का था और दूसरा बहुत पुराना उजड़ा हुआ था। शंकर जी ने पार्वती जी से कहा, 'चलते-चलते हम लोग थक गए हैं। दो ईंट लाओ, थोड़ी देर आराम कर लें।' पार्वती जी गई और पुराने कुएं से दो ईंट उठा कर ले आईं। शंकर जी ने प्रश्न किया, 'पुराने कुएं से ईंट क्यों लाई जो कुआं पक्का बना हुआ था, उससे ले आती।' पार्वती जी ने कहा, क्या बात करते हैं, 'वह इतना मजबूत बना हुआ है। भला उसे कैसे तोड़ सकती थी।' शंकर जी बोले, 'यही तो विधि का विधान है।' उत्तर सुनकर पार्वती जी निरुत्तर हो गईं। उन्हें अपनी शंका का समाधान मिल गया था।

सामयिक

चलें किताबों की ओर

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

देश की राजधानी के प्रगति मैदान का 'भारत मंडपम' 1 फरवरी से 9 फरवरी-25 तक 'विश्व पुस्तक मेला-2025' का साक्षी बना। इसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने पठन-संस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि पढ़ना केवल शौक नहीं है, बल्कि यह एक परिवर्तनकारी अनुभव है। उनका मत था कि बच्चों में किताब पढ़ने की आदत विकसित करना राष्ट्र निर्माण में योगदान देने जैसा है। निश्चित रूप से किताबों से दोस्ती का सर्वोत्तम समय बचपन है, इस उम्र में एक बार दोस्ती हो गई तो जिन्दगी भर के लिए पक्की ! यह एक बड़ी बात है। शिक्षाविद दौलत सिंह कोठारी भी बच्चों को उनकी आयु सापेक्ष किताबें उपलब्ध कराने के बड़े हिमायती थे। उनके शब्दों में- 'बालसाहित्य पढ़ने से बच्चे की ज्ञान सम्बन्धी भावभूमि विस्तृत होती है और दृष्टिगोचर हो रहे वातावरण के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाती है। यह बच्चों में प्रकृति, परिवेश और पर्यावरण के सजीव और घटकों को लेकर जिज्ञासा और जिम्मेदारी का भाव पैदा करता है। सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में साहित्य की बड़ी भूमिका होती है।' किताब को इंसान की सबसे अच्छी दोस्त कहा गया है। यह सच है कि किताबें निर्जीव होती हैं। किन्तु यह हमें सम्वेदित कर सकती हैं। हमारे मन में भावनाओं का आवेग पैदा करने में समर्थ होती हैं। पुस्तकें हमारे अकेलेपन की सबसे महत्वपूर्ण साथी हैं। इसके अन्दर ज्ञान का असीमित भंडार समाया है। यह हमें सुख-दुख और अच्छा-बुरा से परिचित कराती हैं। पुस्तकें सिर्फ मनोरंजन का ही साधन नहीं हैं, बल्कि दिमाग को चुस्त- दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक कहा करते थे-'मैं नरक में भी उत्तम पुस्तकों का स्वागत करूंगा। क्योंकि इसमें वह शक्ति है कि यह जहां भी रहेंगी, वहाँ ही स्वर्ग बन जाएगा।' मगर यह पुरानी बात हुई, जब किताबों के पन्ने पलटते हुए लोग जादुई अहसास से रु-ब-रु हो जाया करते थे। आज किताबों का हाल बहाल है। गुलजार साहब की कविता का यह अंश आज के दौर में किताबों की हकीकत को बहुत अच्छे से सामने लाता है-

'किताबें झाँकती हैं बंद आलमारी के सीसे से
बड़ी हसरत से ताकती हैं,
महीनों अब मुलाकात नहीं होती।
जो शामें उनकी सोहबत में होती थीं,
अब अक्सर गुजर जाती हैं
कमप्टर के परदे पर,
बड़ी बेचैन रहती हैं किताबें...'

आज के बच्चे, किशोर और युवा सब टीवी, मोबाइल, इंटरनेट, लैपटॉप और वीडियोगेम के दीवाने हो रहे हैं। यही उनके लिए ज्ञान और मनोरंजन का साधन है। यहाँ क्या नहीं है ? धर्म-कर्म वाला साहित्य, विश्व स्तरीय क्लासिक, लोक जीवन के गीत-संगीत और किस्से-कहानी-सब एक क्लिक में हाजिर हो जाता है। विद्वान कहने लगे हैं-'शब्द अपनी सत्ता का विस्तार करने में लगा है। वह किताब के पन्नों से निकल कर डिजिटल स्वरूप ग्रहण कर रहा है। वह एआई की सीमा तक विस्तार कर गया है।' यहाँ तक कि अब पुस्तकों की उपादेयता और अस्तित्व पर ही प्रश्न उठने लगे हैं। जबकि पुस्तकों की एक सुदीर्घ परम्परा रही है। विद्वानों ने इन्हें जीवन के लिए प्रेरणास्रोत और सच्ची मार्गदर्शक की भूमिका में स्थापित किया था। यह संसार को बदलने का साधन कही गई हैं। संचार क्रांति ने किताबों का जनाधार काफी सीमित कर दिया है। मुझे बचपन की याद है, जब कोई परदेसी गाँव आता था तो लोग उससे मिलने जाते थे। कुशल-मंगल के बाद मुलाकाती यह जरूर पूछता था-क्या कोई किताब भी लाए हो ? उन दिनों लोग यात्रा में समय काटने के लिए पत्रिकाएं और उपन्यास खरीदते थे। बाद में यह पड़ोसी और टोले-मोहल्ले वालों के बीच पढ़े जाते थे। जो बहुत कम पढ़े-लिखे होते, वह भी 'मुल्ला नासिरुद्दीन आफन्ती की दास्तानें', 'तेनालीराम के किस्से', 'अकबर-बीरबल विनोद' जैसी किताबें ले आते थे। स्कूल के दिनों में इन लोगों के बच्चों के जरिए यह किताबें मुझे पढ़ने को मिली थीं। आजकल तो मोबाइल पर वीडियो देखते-देखते लोग यात्राएं पूरी कर लेते हैं।

हमारी पुस्तकों से दोस्ती हुई थी तो इसलिए कि हमारे परिवार के सयाने लोग और पड़ोसी किताबें पढ़ते थे। उनकी देखा-देखी हमने भी पुस्तकों के पन्ने पलटने शुरू किये थे। फिर एक समय आया, हम किताबों की दुनिया में उतरते चले गए। अब समय बदल गया है। वह शब्द जिसमें जिंदगियाँ धड़कती थीं, गुलजारजी की कविता के अनुसार, आलमारी में बंद किताब के पन्नों में दबे घुट रहे हैं। बच्चे बहुत छोटी उम्र में मोबाइल के आदी हो रहे हैं, क्योंकि जाने-अनजाने माता-पिता इन्हें 'बेबी सिटर' के रूप में मोबाइल थमा देते हैं। एक बार मोबाइल की चमक-दमक भरी दुनिया देखने के बाद किताब उनके लिए फीकी हो जाती है। पिछले वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभरकर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति जनरुचि निरन्तर घट रही है। बढ़ती साक्षरता के बीच काम होती अध्ययनशीलता एक चौंकाने वाला मामला है। पश्चिमी देशों में यह स्थिति काफी पहले आ गई थी। वहाँ नवें दशक तक आते-आते युवावर्ग के व्यवहार में कई नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। फलतः इसे केन्द्र में रखकर सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने कब्जा कर लिया था। इसलिए उनके व्यवहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण, सद्भाव, सामाजिकता, धैर्य जैसे गुणों का स्तर काफी कम हो गया था। युवावर्ग में बढ़ते मूल्यों का संकट और पुस्तकों के अस्तित्व पर मंडराते खतरे से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों की वापसी की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को सँभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामतः शेक्सपियर की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

अपने देश में भी 'विश्व पुस्तक दिवस' की मान्यता है। दिल्ली के विश्व पुस्तक मेला के अलावा देश के बड़े और कस्बाई शहरों मे भी पुस्तक मेलों का आयोजन होने लगा है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों में किस्सा-कहानी पढ़ने की प्रवृति पैदा करने के लिए 'सक्रिय पुस्तकालय' का अभियान चलाया जा रहा है। 'राष्ट्रीय पुस्तक न्यास' और कई एनजीओ भी पठन संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा की दिशा में सक्रिय हैं। लोगों की दिनचर्या में पुस्तकों की वापसी के लिए शिक्षाशास्त्री और देश का प्रबुद्ध वर्ग समान रूप से प्रयत्नशील हैं। पारंपरिक पुस्तकें अगर नहीं रहेंगी तो मानुष भाव का विकास रुक जाएगा और जड़ता में वृद्धि होगी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इलेक्ट्रानिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की अर्थवत्ता न घाटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। इसीलिए भारतीय मनीषा शब्द को 'ब्रह्म' कहकर समादृत करती आई है। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने के उपक्रम हैं-'विश्व पुस्तक दिवस' और 'पुस्तक मेले' ! पुस्तक मेलों में तो खरीददारी होने लगी है, किन्तु पिछले पुस्तक दिवसों पर बुक स्टालों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखी थी। हम जन्मदिन, शादी की सालगिरह जैसे अवसरों पर मंहगे उपहार देते हैं, इसमें एक-दो पुस्तकें शामिल करना कोई मुश्किल नहीं है। हम पुस्तकों की तरफ लौटें, संकल्प लें कि प्रत्येक पुस्तक दिवस और स्थानीय पुस्तक मेले में किताब खरीदेंगे और रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे घर के बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। बस, एक बार यह सिलसिला चलने की देर है, फिर किताबों को हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनने में देर नहीं लगेगी।

नजरिया

विदेशों में हिन्दू धार्मिक स्थलों पर नहीं थम रहे हमले

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर से हिंदू मंदिर को निशाना बनाया है। कनाडा में वैंकूवर के गुरुद्वारे की बेअदबी के कुछ ही समय बाद, ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर को निशाना बनाया गया. मंदिर की दीवारों पर स्प्रे पेंट से लिखे गए भारत विरोधी नारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई है.भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य के अनुसार ये हमला हिंदू मंदिरों पर हो रहे सुनियोजित और लगातार हमलों की एक कड़ी है, जिससे हिंदू समुदाय को डराने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है.लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवारों पर 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' जैसे उग्रवादी नारे लिखे की घटना से हिंदू समुदाय में असुरक्षा की भावना को और गहरा दिया है. घटना की निंदा करते हुए सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि हिंदू मंदिरों पर हमले जो कुछ साल पहले शुरू हुए थे, वे आज भी बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं. ये ताजा हमला खालिस्तानी उग्रवाद के बढ़ते प्रभाव की एक और भयावह याद है. इस घटना से कुछ समय पहले वैंकूवर में स्थित रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे की दीवारों पर भी 'खालिस्तान ज़िंदाबाद' और 'मुर्दाबाद' जैसे नारों के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए धमकी भरे संदेश लिखे गए थे. वैंकूवर पुलिस विभाग ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है. इस पर टिप्पणी करते हुए चंद्र आर्य ने कहा कि इन खालिस्तानी उग्रवादियों ने रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे (खालसा दीवान सोसायटी) को भी निशाना बनाया है, जहां दीवारों पर उकसाने वाले नारे और धमकियां लिखी गई हैं.खालसा दीवान सोसायटी ने बयान जारी कर इसकी कड़ी निंदा की. साथ ही कहा कि ये उग्रवादी ताकतों की एक सुनियोजित साजिश है जो कनाडाई सिख समुदाय में भय और फूट डालना चाहती है. सोसायटी ने कहा कि हम सभी कनाडाई नागरिकों, सिखों और सद्भाव की भावना रखने वाले लोगों से अपील करते हैं कि वे एकजुट होकर इस उग्रवाद का विरोध करें. ये हमला हम सभी पर है-उस एकता पर जो कनाडा को मजबूत बनाती है.

वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब विदेशी सरजमी पर हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो। अमेरिका के कैलिफोर्निया के नेवार्क में खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर की बाहरी दीवारों पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे हैं साथ ही उन्हें क्षतिग्रस्त भी किया है। ये मंदिर स्वामीनारायण मंदिर है। जिसकी दीवारों पर काले रंग से आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नेवार्क पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई।अमेरिका के हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर मंदिर की कुछ तस्वीरों को शेयर किया गया है। इसके साथ ही फाउंडेशन ने कैप्शन में लिखा कि स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाकर शकी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे हैं, साथ ही उसे क्षतिग्रस्त भी किया है ।

फाउंडेशन ने इस मामले की जानकारी पुलिस के साथ ही न्याय विभाग के नागरिक अधिकारों को भी दी है। फाउंडेशन का कहना है कि वो चाहती है कि इस घटना की जांच पुलिस इसे हेट क्राइम मानकर करे। वहीं खालिस्तान आतंकवादी भिंडरावाले का जिक्र करते हुए बताया जा रहा है कि उसने हत्या के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया है अब मंदिर को निशाना बनाया जा रहा है ताकि लोगों खौफ पैदा हो सके। फाउंडेशन का कहना है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पुलिस इसे घृणा अपराध मानकर जांच करे।वहीं इस मामले पर सैन फ्रांसिस्को में मौजूद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है। दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने की कड़ी निंदा करते हुए बयान दिया है कि इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं।

इससे पहले भी कई इस तरह के मामले सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी खालिस्तानियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। इस तरह की घटनाओं पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार ने कई राजनयिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाता रहा है। ज्ञात हो कि इसी साल अगस्त में खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया शहर में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर के दरवाजे पर खालिस्तानी पोस्टर चिपका दिए थे। ये सारी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाके मेलबर्न में भी इसी साल जनवरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां स्वामीनारायण मंदिर पर भी खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लिखे थे। वहीं एक दूसरे मंदिर इस्कॉन टेम्पल में भी हिंदुस्तान मुर्दाबाद और खालिस्तान ज़िंदाबाद जैसे नारे लिखे गए थे।

कनाडा स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि मंदिर में तोड़फोड़ से कनाडा में स्थित भारतीय समुदाय की धार्मिक भावना आहत हुई है। अपनी चिंता जाहिर करते हुए अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन से आपराधियों के खिलाफ कड़ी कारवाई करने की मांग की है।भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कनाडा सरकार को इस संबंध में संज्ञान लेने और मामले की जांच करने के संबंध में अपनी बात रखी है। भारतीय दूतवास ने घटना की कड़ी निंदा की है और हिन्दू धर्म के लिए पनप रही इस नफरत पर चिंता व्यक्त की है।

कनाडा पुलिस ने मामले की सख्ती से जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल कनाडा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और हिंदू धर्म को मानने वालों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा भड़की वह तो सबने देखी, लेकिन अमेरिका जो खुद को लोकतंत्र की मिसाल बताता है। ऐसे देश में हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की साजिश समझ से बाहर है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हमला उस वक्त हो रहा था , जब यूनाइटेड नेशन में दुनियाभर के नेता वहां मौजूद थे। इसके बावजूद सब चुप्पी साधे हुए रहे। गौरतलब है है कि अब तक के जो मामले सुर्ख़ियों में है जब हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ हुई हो। इनमे प्रमुख है 26 सितंबर, 2024 :- का है, जब सैक्रामेंटो अमेरिका में स्वामी नारायण मंदिर। 19 सितंबर, 2024 :- न्यूयॉर्क के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में हमले के बाद अपमानजनक नारे जैसे 'हिन्दुस्तान मुर्दाबाद' तक लिखा गया। 5 जनवरी, 2024 :- कैलिफोर्निया के विजय का शेरावाली मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हमला किया गया। 23 दिसंबर, 2023 :- कैलिफोर्निया के एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला किया। वहां कई गंदे चित्र भी उकेरे गए। यानी मंदिर की पवित्रता को खत्म करने की कोशिश की गई। 20 जनवरी, 2023 :- ब्रेज़ोस वैली में श्री ओंकारनाथ मंदिर में चोरों ने चोरी की और कीमती सामान उड़ा लिया। उन्होंने मंदिर की एक खिड़की, दान पेटी और तिजोरी तक तोड़ दी। चोर सीसीटीवी में कैद हो गए। 2 नवंबर, 2022 :- न्यूजर्सी के श्री उमिया धाम मंदिर में तोड़फोड़ की गई और 'मुक्त फिलिस्तीन' के नारे लिखे गए। 31 जनवरी, 2019 :- केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की, काले रंग का छिड़काव किया, खिड़कियां तोड़ दी, दीवारों पर स्प्रे के जरिए स्लोगन लिखे गए।19 जुलाई, 2015 :- कैरोलिना के विहिप मंदिर पर गोलीबारी की गई। मंदिर पर 4 जुलाई 2015 की दोपहर करीब 1 बजे भी गोलीबारी हुई, जिसमें मंदिर की दीवारों पर 60 से अधिक छेद हो गए। 20 अप्रैल, 2015 :- न्यूयॉर्क के उत्तरी टेक्सास हिंदू मंदिर के प्रतीक चिन्हों को तोड़ दिया गया। लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर पर खालिस्तान समर्थक समूह द्वारा हमले की कोशिश पर भारत सरकार ने गंभीर चिंता व्यक्त तो की है पर उसमें मंदिरों का जिक्र नहीं है पर उसमें कहा गया है कि कथित खलिस्तान के नाम पर ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में कुछ आतांकवादी समूह न केवल सक्रिय हैं बल्कि कथित मानव अधिकार के नाम पर कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और राजनीतिक दल के नेता भी उनका समर्थन करते हैं। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रतिपक्ष में रहकर वोट बैंक के लिए या भारत को कमजोर देखने के लिए उनका समर्थन करते रहे हैं। अब लेबर पार्टी सत्ता में हैं और वह भारत के साथ अच्छे संबंधों के लिए प्रयासरत है।

ऐसी स्थिति में भारत का कड़ा विरोध आवश्यक है। लेकिन भारत में भी पाकिस्तान तथा अन्य देशों के माध्यम से फन्डिंग पा रहे कथित खालिस्तानी आतंकी अथवा नक्सली अब भी कुछ इलाकों में समय समय पर हमले की कोशिश करते हैं। उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के समूह ने हाल ही में खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल तथा पाकिस्तानी आई एस आई के सदस्य लजर मसीह को महाकुंभ में आतंकी वारदात की साजिश के सबूतों के साथ गिरफ्तार किया था।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ट्रंप के शुल्क से अमेरिका, दुनिया का आर्थिक परिदृश्य बिगड़ा : मुद्रा कोष

वाशिंगटन/एपी। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क और उनके कारण पैदा हुई अनिश्चितता के कारण अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं का परिदृश्य बिगड़ गया है।

मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस साल सिर्फ 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह जनवरी में उसके 3.3 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आईएमएफ के अनुसार, 2026 में, वैश्विक वृद्धि दर तीन प्रतिशत होगी जो पहले के 3.3 प्रतिशत के अनुमान से कम है।

इस साल अमेरिकी आर्थिक वृद्धि दर सिर्फ 1.8 प्रतिशत रहेगी, जो कि उसके पिछले पूर्वानुमान 2.7 प्रतिशत से काफी कम है और 2024 की वृद्धि से एक प्रतिशत कम है। आईएमएफ को अमेरिका में मंदी की आशंका नहीं है, हालांकि इसने इस साल मंदी की आशंका 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 37 प्रतिशत कर दी है। मुद्रा कोष का यह अनुमान काफी हद तक निजी क्षेत्र के कई अर्थशास्त्रियों के अनुमान के अनुरूप है। हालांकि, कुछ का मानना है कि मंदी की आशंका बढ़ती जा रही है। जेपी मॉर्गन के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका में मंदी की आशंका अब 60 प्रतिशत है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज मंगलवारको नई दिल्ली में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' परे संयुक्त संसदीय समिति की बैठक के लिए 'नेशनल हेराल्ड की लूट' लिखा एक बैग लेकर संसद भवन पहुंचीं।

बांग्लादेश ने हिंदू नेता की मौत पर भारत के आरोप को खारिज किया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने भारत के इस आरोप को खारिज कर दिया है कि हाल ही में एक हिंदू नेता की हत्या उनके देश में अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का हिस्सा थी।

उत्तरी बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बसुदेबपुर गांव के निवासी हिंदू समुदाय के 58 वर्षीय नेता भाबेश चंद्र रॉय का शव बृहस्पतिवार रात को बरामद किया गया। उनके बेटे ने दावा किया है कि रॉय को ढाका से लगभग 330 किलोमीटर दूर स्थित उनके गांव से कथित तौर पर अगवा किया गया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई।

अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल-आलम ने सोमवार को सरकारी समाचार एजेंसी 'बांग्लादेश संवाद संस्था' (बीएसएस) से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि श्री भाबेश चंद्र रॉय की मृत्यु को अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के 'व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न' के हिस्से के रूप में वर्णित किया गया है।

आलम कतर में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यूनुस के साथ हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ऐसा देश नहीं है जहां अल्पसंख्यकों के खिलाफ सरकार द्वारा प्रायोजित व्यवस्थित भेदभाव देखने को मिले।

उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार अपने सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों।

बांग्लादेश की प्रतिक्रिया से कुछ दिन पहले, भारत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता के कथित अपहरण और हत्या की निंदा की और ढाका की अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न को दर्शाती है। अतीत में हुई ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों को कोई सज़ा नहीं मिली है और वे खुले घूम रहे हैं।

रॉय की हत्या के बाद उनके परिवार ने चार नामजद संदिग्धों और कई अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दिनाजपुर पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

रॉय के 28 वर्षीय बेटे स्वप्न चंद्र रॉय ने अपनी लिखित शिकायत में आरोप लगाया, आरोपी मेरे पिता को एक अज्ञात स्थान पर ले गए और पूर्व नियोजित साजिश के तहत उनकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। स्वपन चंद्र रॉय ने अतीक-उर-रहमान को आरोपी नंबर एक बताया, जो मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अनौपचारिक रूप से धन उधार देने का व्यवसाय करता है।

पुलिस ने कहा कि परिवार की शिकायत के अनुसार, रॉय ने रहमान से 25,000 टका उधार लिए थे और 3,250 टका की मासिक किस्तों में इसे चुकाने पर सहमति जताई थी, लेकिन वित्तीय कठिनाई के कारण वह नियमित रूप से भुगतान करने में असमर्थ हो गए।

रॉय के बेटे ने शिकायत में कहा कि 17 अप्रैल की दोपहर आरोपी दो मोटरसाइकिलों पर रॉय के घर आए और उन्हें एक जरूरी बातचीत के बहाने अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा कि शाम को उन्हें एक फोन आया जिसमें सह-आरोपी रतन इस्लाम ने बताया कि उनके पिता बीमार पड़ गए हैं।

आरोपी ने रॉय को उनके घर के पास ही छोड़ दिया और भाग गए। परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सेल्फी

पटना के बापू सभागार में नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के दौरान छात्र सेल्फी लेते हुए।

न्याय किया जाएगा: एफबीआई निदेशक ने अमेरिका में आतंकी हरप्रीत की गिरफ्तारी पर कहा

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने आश्वस्त किया है गैंगस्टर से आतंकवादी बने हरप्रीत सिंह की अमेरिका में गिरफ्तारी के बाद ''न्याय किया जाएगा''।

सिंह उर्फ हैप्पी पासिया उर्फ जोरा को 18 अप्रैल को अमेरिका में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के सैक्रामेंटो स्थित प्रवर्तन और निष्कासन अभियान द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

वह पंजाब में कई आतंकी हमलों के सिलसिले में वांछित है और उस पर पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी समूह बीकेआई के साथ सहयोग करने का आरोप है। भारतीय अमेरिकी पटेल ने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''हरप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है। वह अमेरिका में अवैध रूप से गतिविधियां चला रहे एक कथित विदेशी आतंकवादी गिरोह का हिस्सा था। हमारा मानना है कि वह भारत और अमेरिका दोनों में पुलिस थानों पर कई हमलों की साजिश रचने में शामिल था।''

उन्होंने कहा, ''एफबीआई सैक्रामेंटो ने स्थानीय और साथ ही भारत में हमारे भागीदारों के साथ समन्वय करके जांच की।''

अमेरिका की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी ने पोस्ट में कहा, ''सभी ने बेहतरीन काम किया है और न्याय किया जाएगा। एफबीआई हिंसा करने वालों की खोज जारी रखेगी - चाहे वे कहीं भी हों।''

एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म 'ग्राउंड ज़ीरो' का प्रोमो रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म ग्राउंड ज़ीरो का धमाकेदार प्रोमो रिलीज़ हो गया है। फिल्म ग्राउंड जीरो सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पिछले 50 सालों की सबसे बहादुरी भरी मिशनों में से एक मिशन आधारित है। प्रोमो में एक्शन, जज़्बा और इमोशन्स का जबरदस्त मेल दिखता है, जो इसे देशभक्ति से भरपूर और दिल छू लेने वाली कहानी बना देता है। इमरान हाशमी, जो अब तक अपनी अलग-अलग भूमिकाओं के लिए पहचाने जाते रहे हैं, ग्राउंड ज़ीरो में एक नए और दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। वह कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे के किरदार में नजर आयेंगे। प्रोमो में उनका लुक एकदम अलग है, एकदम गंभीर, सख्त और ड्यूटी के प्रति पूरी तरह समर्पित। फिल्म ग्राउंड ज़ीरो की सिनेमाघरों में रिलीज़ में अब बस चार दिन बचे हैं, और इसी बीच मेकर्स ने इसका दमदार प्रोमो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म ग्राउंड ज़ीरो, को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन तेजस देवस्कर ने किया है। वहीं, कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स हैं। ग्राउंड ज़ीरो 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

रणदीप हुड्डा ने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता और फिल्मकार रणदीप हुड्डा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। रणदीप हुड्डा ने अपनी मां आशा हुड्डा और बहन डॉ. अंजलि हुड्डा के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। रणदीप हुड्डा ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रमोदी से मिलना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य की बात रही। देश के भविष्य को लेकर उनका दृष्टिकोण, ज्ञान और विचार बेहद प्रेरणादायक हैं।

उनकी सराहना हमारे जैसे लोगों के लिए एक बड़ी हौसला अफ़ज़ाई है कि हम अपने-अपने क्षेत्रों में अच्छा काम करते रहें और देश की तरक्की में योगदान देते रहें। रणदीप ने लिखा, हमने भारतीय सिनेमा के वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव, सच्ची कहानियों की शक्ति और सरकार के नए ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म 'वेव्स 'पर चर्चा की, जो भारतीय आवाज़ों को दुनिया भर में पहुंचाने के लिए एक दूरदर्शी कदम है। यह पारिवारिक रूप से गर्व का क्षण था कि मेरी मां आशा हुड्डा और बहन डॉ. अंजलि हुड्डा भी मेरे साथ थीं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के मोटापे के खिलाफ अभियान और समग्र स्वास्थ्य को लेकर विचार साझा किए।

अमिताभ बच्चन ने शेयर किया मंत्र, बताया- 'यह सभी बीमारियों का इलाज'

मुंबई/एजेन्सी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन 82 साल की उम्र में भी काफी फिट और एनर्जेटिक हैं। फिल्मों में उनका जज्बा यंग एक्टर्स के लिए प्रेरणादायक होता है। उनका करियर पांच दशकों से भी ज्यादा लंबा है। अपने जोश और जज्बे को लेकर बिग बी ने बड़ा खुलासा किया और सभी बीमारियों का एक इलाज बताते हुए मंत्र भी फैंस के साथ शेयर किया। अमिताभ ने सोशल नेटवर्किंग साइट टम्बलर पर अपने ब्लॉग में लिखा, ''काम सभी बीमारियों का इलाज है... मैंने काम किया...'' बिग बी ने अपने करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनकी पहली फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' थी, जिसमें उन्होंने अनवर अली नाम के एक कवि का किरदार निभाया था। लेकिन, असली पहचान उन्हें प्रकाश मेहरा की फिल्म 'जंजीर' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने इंस्पेक्टर विजय खन्ना की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने 'शोले', 'दीवार', 'शहंशाह', 'मर्द', 'कुली', 'आनंद', 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी एक के बाद एक सुपरहिट फिल्में दी। उन्होंने 'हेरा फेरी', 'अमर अकबर एंथोनी', 'परवरिश', 'कसमे वादे', 'डॉन', 'त्रिशूल', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'नसीब', 'लावारिस', 'नमक हलाल', 'अंधा कानून', 'शराबी', 'नमक हराम', 'अभिमान', 'काला पत्थर', 'शान', 'सिलसिला', 'याराना', 'कालिया', 'शक्ति', 'मिली', 'चुपके चुपके', 'चीनी कम', 'निशब्द', 'ब्लैक', 'पीकू' और 'पिंक' जैसी शानदार फिल्मों में भी काम किया।

अमिताभ ने 2024 में वेट्टैयन के साथ तमिल डेब्यू भी किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो 2015 में रिलीज हुई, उनकी कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'पीकू' 9 मई को एक बार फिर सिनेमाघरों में आने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने किया है। फिल्म में दीपिका पादुकोण और इरफान खान के साथ मौसमी चटर्जी, जीशु सेनगुप्ता और रघुबीर यादव भी हैं।

वह जल्द ही 'रामायण: पार्ट 1' में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह इस फिल्म में जटायु का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर और साई पल्लवी लीड रोल में हैं।

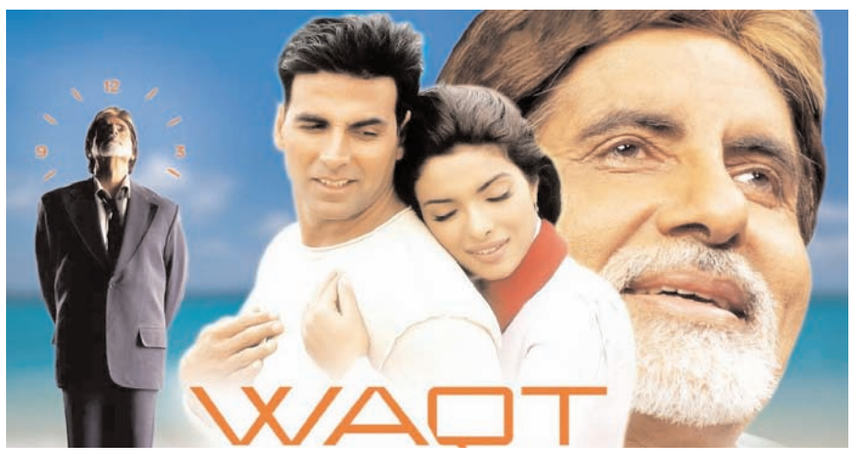

अमिताभ और अक्षय ने 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' के लिए फीस लेने से किया था इंकार : शाह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह ने बताया है कि उनकी फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' के लिये अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार ने फीस लेने से इंकार कर दिया था। वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम, आज अपनी रिलीज़ के 20 शानदार साल का जश्न मना रही है। फिल्म वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम के 20 साल पूरे होने पर विपुल अमृतलाल शाह ने एक दिल छू लेने वाला किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार जैसे दो सुपरस्टार्स को साथ लाया। विपुल ने कहा,जब हम फिल्म आंखें बना रहे थे, उसी दौरान मैंने अमित सर (बच्चन) और अक्षय कुमार से एक नाटक के बारे में बात की थी, जिसे आतिश कपाड़िया ने लिखा और निर्देशित किया था। दोनों को ही ये कहानी बहुत पसंद आई और वहीं से हमने तय किया कि इस पर फिल्म बनाएंगे।

वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम , विपुल शाह की अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार के साथ दूसरी फिल्म थी। इससे पहले तीनों की जोड़ी ने आंखें जैसी हिट फिल्म दी थी, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने खूब सराहा था। आंखें की कामयाबी ने बच्चन और अक्षय के दिल में विपुल शाह के लिए भरोसा और भी गहरा कर दिया था। यही वजह थी कि जब वक्त की बात आई, तो दोनों मेगास्टार्स ने फिर से उनके साथ काम करने में ज़रा भी देर नहीं की। जब विपुल शाह ने वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम के साथ निर्माता बनने का फैसला किया, तो उन्हें अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार से जो समर्थन मिला, वो उनके लिए बेहद खास था।

इस बारे में बात करते हुए विपुल शाह ने कहा, जब मैंने अमितजी और अक्षय को बताया कि मैं इस फिल्म से निर्माता बन रहा हूं, तो दोनों ने बिना एक पल सोचे अपनी फीस माफ करने की बात कह दी। लेकिन मैंने और मेरे पार्टनर मनमोहन शेट्टी ने ऐसा नहीं करने दिया और उन्हें उनकी मेहनत का पूरा मेहनताना दिया। इतने बड़े सुपरस्टार्स का इस तरह मेरे साथ खड़े होना और अपनी फीस तक छोड़ देने की पेशकश करना मेरे लिए बहुत ही भावुक और यादगार पल था।

'पुष्पेंद्र बाबू जी को हवा में प्रणाम' करते दिखे रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणदीप हुड्डा की फिल्म 'लाल रंग' ने अपनी रिलीज के 9 साल पूरे कर लिए हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़े वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेता ने बताया कि इस फिल्म को मिल रहे दर्शकों के प्यार के लिए वह आभारी हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'लाल रंग' के 9 साल पूरे हो चुके हैं और प्यार अभी भी गहरा है। एक बोल्ड कहानी के रूप में शुरू हुई यह फिल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई इसके लिए आपका शुक्रिया। यह खून, भाईचारा और उस बंधन के लिए है, जो समय के साथ और मजबूत होता गया। इस फिल्म को मिल रहे प्यार के हर एक अंश के लिए आभारी हूं। सैयद अहमद अफजल के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण नितिका ठाकुर और क्रियान मीडिया ने मिलकर किया है। 'लाल रंग' में रणदीप हुड्डा के साथ अक्षय ओबेरॉय और पिया बाजपेयी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

हरियाणा की पृष्ठभूमि पर आधारित यह क्राइम-ड्रामा अवैध ब्लड बैंक संचालन पर बेस्ड है। यह फिल्म दो दोस्तों की जिंदगी पर बनी फिल्म है, जिनकी जिंदगी अवैध व्यापार में उलझ जाती है। यह फिल्म 22 अप्रैल, 2016 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा की हालिया रिलीज फिल्म 'जाट' है, जिसमें अभिनेता खलनायक 'रणतुंगा' के किरदार में नजर आए थे। गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी फिल्म में रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म में सनी देओल, रेजिना कैसेंड्रा, सैयामी खेर, विनीत कुमार सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू में रिलीज हो चुकी है। गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी 'जाट' का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने किया है। 'रणतुंगा' को मिली प्रशंसा से अभिनेता हुड्डा गदगद नजर आए। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए उन्होंने आभार जताया था।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर अभिनेता ने बताया कि खतरनाक किरदार को इतनी प्रशंसा मिलने का अनुभव शानदार रहा। पर्दे के पीछे की तस्वीरों को शेयर करते हुए रणदीप ने कैप्शन में लिखा, रणतुंगा के लिए मुझे मिल रहे प्यार को मैं अभी भी महसूस कर रहा हूं... इस तरह के खतरनाक किरदार को निभाना और उसे इतनी प्रशंसा पाना वास्तव में विनम्र करने वाला है। फिल्म में काम करने और सराहना पाने का अनुभव शानदार रहा।

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर का किरदार निभाएंगे अली फजल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अली फजल अपनी आने वाली फिल्म में सेलिब्रिटी फ़ोटोग्राफर (पैपराज़ी) का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड के सबसे बहुप्रतिभाशाली कलाकारों में से एक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कामयाबी हासिल कर चुके अली फज़ल अब अपने अगले प्रोजेक्ट में एक अनोखा किरदार निभाने जा रहे हैं। चर्चा है कि अली फजल इस बार एक सेलिब्रिटी फ़ोटोग्राफर की भूमिका में नज़र आएंगे, जो ग्लैमर वर्ल्ड की तेज़ रफ्तार और उथल-पुथल भरी दुनिया को दर्शाएगा। फिल्म की स्क्रिप्ट अब अपने आखिरी चरण में है और फाइनल ड्राफ्ट तैयार हो रहा है। माना जा रहा है कि अली जल्द ही इस किरदार की तैयारी भी शुरू कर देंगे। यह फिल्म एक डार्क ड्रामेडी होगी, जिसकी कहानी मुंबई की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर आधारित है।

अली फजल हमेशा से हटकर और अलग तरह के किरदार चुनते आए हैं और यह रोल भी कुछ ऐसा ही है कहा जा रहा है कि यह फिल्म पैपाराज़ी संस्कृति के पीछे की असली सच्चाई को दिखाने की एक दिलचस्प कोशिश है। स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और प्री-प्रोडक्शन कुछ महीनों में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग 2025 के अंत तक शुरू हो सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 13-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है । हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

रोटरी क्लुब ऑफ़ मद्रास टी.नगर ने दो स्कूलों में दिए 18 स्मार्ट बोर्डस्

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोमवार को रोटरी क्लब ऑफ़ मद्रास टी.नगर द्वारा गुंटूर सुब्बैया और वेंकटेश्वर मैट्रिकुलेशन स्कूल में स्मार्ट बोर्डस् का उद्घाटन किया गया। क्लब ने कुल 18 स्मार्ट बोर्डस् (प्रत्येक स्कूल में 9) प्रदान किए। स्मार्ट बोर्डस् देने का उद्देश्य कक्षा शिक्षण को अधिक संवादात्मक, रोचक और तकनीक-सक्षम बनाना रहा जिससे विद्यार्थी अधिक प्रभावी ढंग से सीख सकें।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान रत्न सुभाष चन्द रांका, विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला रोटरी फाउंडेशन के नीलकंठन लोकनाथन, जिला गवर्नर रोटेरियन महावीर बोथरा, पूर्व जिला गवर्नर रोटेरियन एपी खन्ना, पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन टीएस नारायणस्वामी, जयश्री नारायणस्वामी आदि उपस्थित थे।

समारोह में सभी वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व, तकनीक की शक्ति और इसके सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को इस आधुनिक उपकरण का पूर्ण उपयोग कर ज्ञान के नए आयामों की खोज करने हेतु प्रेरित किया। अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल, सचिव डॉ. पूर्णिमा कार्तिक एवं समुदाय सेवा निदेशक विपिन अग्रवाल ने धन्यवाद किया और अतिथियों का सम्मान किया।

बच्चों को लेखन कला का प्रशिक्षण भी दें : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन गुरुकुल पाठशाल अंबत्तूर का एक दशक पूरा होने पर रविवार को यहाँ जैन स्थानक में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि गुरुकुल जैसी पाठशालाओं में बच्चों को लेखन कला भी सिखानी चाहिए। कोई भले ही लेखक नहीं बने, लेकिन ठीक-ठाक लिखने की योग्यता भी जीवन में बहुत काम आती है। अतिथि डॉ. धींग ने गुरुकुल के संचालन में श्राविकाओं के समर्पण की सराहना की। समारोह गौरव जैन महासंघ के पूर्व अध्यक्ष पन्नालाल सिंघवी ने कहा कि संस्कृति व संस्कारों के संरक्षण हेतु हर उपनगर में गुरुकुल स्थापना की जानी चाहिए। मुख्य अतिथि प्रेमदेवी कुंभट ने शिक्षा को कठिन कार्य बताते हुए विद्यार्थियों को श्रमण संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा दी।

शुरू में सिंघवी, कुंभट, डॉ. धींग, मांगीलाल देसरला, लाभचंद खारीवाल, गौतम पोकरणा आदि ने दीप प्रज्वलित किया। पंच परमेष्ठी वंदना व गुरुकुल प्रार्थना की नृत्यमय प्रस्तुति दी गई। संगीता बोहरा ने स्वागत भाषण के साथ अतिथियों का परिचय दिया। हेमलता बरमेचा ने गुरुकुल के दस वर्षों की गौरवशाली यात्रा की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रभा गोठी ने कहा कि संस्कारों के बीजारोपण में श्राविकाएँ प्रेरणादायी कार्य कर रही हैं। प्रणत धींग ने डॉ. दिलीप धींग की कविता कम खाना, गम खाना, नम जाना' प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने धार्मिक, सांस्कृतिक प्रभावी प्रस्तुतियाँ देकर लगभग चार घंटे तक श्रोताओं को बांधे रखा। उन्होंने गायन, नृत्य, भाषण, अभिनय आदि के जरिए भाव दीक्षा, भगवान महावीर जन्म कल्याणक, पर्युषण, आखा तीज, मौन एकादशी, ज्ञान पंचमी, भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक आदि जैन पर्वों की प्रस्तुतियाँ दीं। राजस्थानी (मारवाड़ी) भाषा में बोले गए संवाद और गीत विशेष रूप से सराहे गए।

समारोह में गुरुकुल निदेशिका विजया कोटेचा का गुरु-माँ' संबोधन के साथ अभिनंदन किया गया। शिक्षिकाएँ धनवंती देसरला, नमिता रांका, तरुणा रांका, रेखा देसरला, परी रांका, निर्मला बोहरा, मंजू बरड़िया, रक्षिता कोठारी, रचना लोढ़ा आदि का सराहनीय अध्यापन सेवा के लिए विरति समूह द्वारा सम्मान किया गया। चांदनी बांठिया, अनाया, प्राची, दिशा, ईशा, मोक्ष, चहक, रक्षित, लक्ष्य, नीलेश, मान्या, संयम आदि विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया। सभा में प्रीतिबाला जैन, कनकमाला कुंभट, महावीर बरमेचा, माणकचंद कोटेचा, ओमप्रकाश मेहता, चंद्रप्रकाश बरमेचा, महेंद्र देसरला, वंदना लूंकड़, उषा पटवा, कल्पना मेहता, सुधा पटवा, अनिता गोलछा, सुशीला, किरण आदि भी उपस्थित थे। विजय कोटेचा ने संचालन किया।

साधु-साध्वियों का आगमन जनजागरण एवं आत्मउत्थान के लिए होता है : मोहजीतकुमार

तेरापंथी मुनियों का चेन्नई नगर में हुआ प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ संघ के मुनि मोहजीतकुमारजी,भव्यकुमारजी,ज येशकुमारजी का गींडी से चेन्नई नगर प्रवेश हुआ। स्वागत यात्रा की परिसम्पन्नता एसएस जैन स्थानक में सभा के रूप में परिणत हुई।स्वागत-अभिनंदन समारोह में उपस्थित जनमेदिनी को संबोधित करते हुए मुनि मोहजीत कुमारजी ने कहा कि साधु-साध्वियों का आगमन जन जागरण एवं आत्म उत्थान के लिए होता है। उन्होंने आचार्य महाश्रमण के प्रति अहोभाव प्रकट करते हुए गुरु के आशीर्वाद को प्रसाद रूप में स्वीकार किया। मुनि ने श्रावक समाज से कहा कि, शक्ति, भक्ति, अनुरक्ति को सार्थक बनाने का प्रयास करना है। जीवन को पवित्र बनाने के लिए संयम, तप, स्वाध्याय आदि के साथ सद्भाव, अन्तः जागरण, श्रद्धा की सधनता का विकास आवश्यक है। समारोह में मुनि भव्यकुमारजी ने कहा कि हर कार्य में भव्यता होनी चाहिए। जीवन के हर पल को सुरम्य बनाने के लिए विशेष प्रयत्न करने का प्रयास करना है। समय का सम्यक्नियोजन कर आगे बढ़ने का लक्ष्य बनाएं।

इस अवसर पर मुनि जयेश कुमारजी ने कहा कि जीवन में कुछ नया करने का भाव जागृत करें। नया चिंतन, निर्णय और क्रियान्वित के बिना किसी कार्य को सफलता नहीं मिल सकती। हमे नये विकास के लिए अपने आपको विस्तृत करना होगा। पेड़ की जड़े अगर नहीं फैलेगी तो जड़ों में मजबूती नहीं आएगी। हमे अपने संस्कारों को सक्षम बनाना होगा। चेन्नई प्रवेश पर स्वागत समारोह में किलपॉक सभा अध्यक्ष अशोककुमार परमार, चेन्नई सभा के अध्यक्ष अशोक खतंग, तेयुप उपाध्यक्ष विशाल सुराणा ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक मुथा ने किया। महेन्द्र खांटेड में आभार प्रकट किया।

'जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति आचार्य पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी, साध्वीश्री शशिप्रभाश्री, समणी प्रमुखा डॉ. श्रीनिधिश्री के सान्निध्य में पार्श्व लब्धि धाम में गतिमान जयमल जैन संस्कार शिविर में जयधुरन्धरमुनिजी ने शिविर के पांचवें दिन अपने प्रवचन में कहा कि आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है । हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। एक दृष्टांत के माध्यम से शिविरार्थियों को उद्बोधन दिया कि कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है। साध्वी वृद्धिप्रभाश्रीजी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मोक्ष की प्राप्ति के लिए ज्ञान आवश्यक होता है और ज्ञान की प्राप्ति के लिए विनय आवश्यक होता है। संस्कार शिविर में आप सभी ज्ञान की प्राप्ति हेतु आए हैं ।

इस शिविर में शिक्षा भी मिलती है और संस्कारों का सिंचन भी। शिक्षा और ज्ञान के लिए जीवन में विनय अति आवश्यक है और ज्ञान की उपलब्धि में सबसे बड़ा बाधक तत्व है अभिमान। अभिमानी व्यक्ति किसी के सामने झुकता नहीं।

प्रवचन के पश्चात नवकार मंत्र की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। चेन्नई से विशेष आमंत्रित जेपीपी. जैन विद्याश्रम, तिरुत्तनी के एनके सुराणा एवं महेन्द्र बेताला का सम्मान अरुणकुमार गोटावत, गौतमचंद मकाणा, गौतमचंद गादिया ने किया। आचार्यश्री पार्श्वचंद्रश्री ने महामांगलिक प्रदान किया एवं कई शिविरार्थियों ने आचार्यश्री से तपस्याओं के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन हलसूरु एवं जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन राजाजीनगर ने शिविर में सेवाएं प्रदान की। संचालन गुड़िया घिया ने किया ।

जीवन को खुशी-खुशी जीना चाहिए : संतश्री नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। शहर के चोकंपुदुर स्थित पार्श्वनाथ हॉल में मंगलवार को श्रमण संघीय उपप्रवर्तक 36 वें वर्षीतप के तपस्वी श्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, उपप्रवर्तिनी डॉ. दर्शनप्रभाजी स्मृतिप्रभाजी के सान्निध्य में प्रवचन का आयोजन किया। इस मौकेपर नरेशमुनिजी ने कहा कि हमें हमेशा अपने जीवन को हंसते हंसते व्यतीत करना चाहिए। जीवन में कभी भी उदास नहीं होना चाहिए। इस मौके पर बिदामी देवीलाल धारीवाल परिवार अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रवचन में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित थे।

गौतमचंद धारीवाल ने सभी का स्वागत किया। संचालन सुनील हिंगड़ ने किया। विशाल धारीवाल ने धन्यवाद दिया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के वर्धमान जैन सेवा संघ के अध्यक्ष महेन्द्र रामसीना, संस्थापक राजेशकुमार गादिया, उपाध्यक्ष गौतमचन्द धारीवाल ने कोयंबटूर के रेलवे सुरक्षा दल के नए निरीक्षक उपेन्द्रकुमार से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। निरीक्षक उपेन्द्रकुमार ने संघ को धन्यवाद देते हुए कहा उनकी पुरजोर कोशिश रहेगी कि यात्रीगण सुगम यात्रा बिना किसी भय से करें और इसके लिए और कड़े कदम उठाए जाएंगे।

चन्नबसवा स्वामी की सेवा और समर्पण की जीवन यात्रा लोगों के लिए प्रेरणादायक है : राज्यपाल

राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने डॉ. चन्नबसव पट्टादेवा की 26वीं पुण्यतिथि में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मंगलवार को बीदर में डॉ. चन्नबसवा पट्टादेवा की 26वीं स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन के मौके पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. चन्नबसवा स्वामीजी की जीवन यात्रा सेवा, समर्पण और परोपकार का एक अनूठा उदाहरण है। उनके जीवन में सच्ची मानवता जाति, धर्म और भौतिकता से परे मानी गई। आज भी उनके विचार और कार्य हजारों लोगों को प्रेरित करते हैं। उनका जीवन भक्ति, सेवा और शिक्षा का प्रतीक है। मानवता के कल्याण के लिए समर्पित डॉ. चन्नबसवा स्वामी ने पारंपरिक लिंगायत दर्शन को आधुनिक विज्ञान और शिक्षा के साथ जोड़ा। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना और कई स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संस्थाएं स्थापित कीं। उन्होंने दहेज प्रथा, जातिवाद जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने महिला शिक्षा और मानवतावादी विचारों को बढ़ावा दिया। वे बसवेश्वर के सिद्धांतों के कट्टर अनुयायी थे।

उन्होंने कहा, 12वीं शताब्दी में बसव तत्व के प्रणेता श्री बसवेश्वर द्वारा स्थापित हिरेमठ संस्थान, बसवेश्वर की शिक्षाओं और दर्शन को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध देश के प्रसिद्ध मठों में से एक है। यह मठ एक धार्मिक स्थल और शिक्षा, सेवा और आध्यात्म का केंद्र है। यह मठ समाज को समर्पण, दान, मानवता की सेवा और ज्ञान के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। हिरेमठ सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाकर समाज को आत्मनिर्भर बनाने और सभी को सामाजिक समानता और समानता, समृद्धि, उत्कृष्टता, सशक्तिकरण, उद्यमिता और ज्ञानोदय के लिए मूल्यवान शिक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे प्राचीन शास्त्रों के समृद्ध ज्ञान को फैलाने का कार्य हो या आधुनिक तकनीक के साथ आधुनिक शिक्षा प्रदान करने का कार्य हो, हिरेमठ संस्थान पूरी निष्ठा के साथ उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। राज्यपाल गहलोत ने कहा कि संतश्री के अनुकरणीय अनुयायी डॉ. बसवलिंग पट्टादेव अपनी दूरदर्शिता और सद्भावना के साथ मठ की महान परम्पराओं और प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं तथा मठ की सेवा और ख्याति को वैश्विक आयाम तक ले जा रहे हैं। राज्यपाल ने 60 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से विद्यार्थियों को ज्ञान और अच्छे सांस्कृतिक गुण प्रदान करने के नेक कार्य के लिए हीरेमठ विद्यापीठ ट्रस्ट की प्रशंसा की।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' देश के लिए फायदेमंद साबित होगा : अनुराग ठाकुर

श्रीनगर/भाषा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' फॉर्मूला लागू करना देश के लिए फायदेमंद साबित होगा क्योंकि यह न केवल विभिन्न चुनावों पर होने वाले खर्चों में कटौती करेगा, बल्कि इससे काफी समय भी बचेगा।

ठाकुर ने कहा, ''हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनाव पिछले साल लोकसभा चुनाव के कुछ महीनों के भीतर हुए थे। इसके बाद महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में (विधानसभा) चुनाव हुए। इस प्रकार, साल भर में कम से कम पांच विधानसभाओं के चुनाव हुए।'' ठाकुर ने श्रीनगर में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर पार्टी के एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''यदि सभी चुनाव एक साथ कराए जाते हैं तो इससे खर्च में कमी आएगी, समय की बचत होगी और मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों का खर्च कम होगा और देश को धन की बचत करने में मदद मिलेगी।

'रजत' ने किया राजस्थान के शिक्षामंत्री मदन दिलावर का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण प्रांतों के प्रवास पर आए राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर का शनिवार को राजस्थानी एसोसिएशन तमिल(रजत) के सदस्यों ने सम्मान किया। मंत्री दिलावर ने राजस्थान सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे अनेक अभूतपूर्व प्रयासों से प्रवासियों को अवगत करवाया।

उन्होंने प्रवासियों से अपनी मातृभूमि में शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल का हिस्सा बनने का आहवान किया। इस कार्यक्रम में राजस्थानी एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार श्रीश्रीमाल उपाध्यक्ष अशोक मूंदड़ा, दिनेश कोठारी कोषाध्यक्ष सुरेश संचेती, अजय नाहर, विजय गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.